RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●16 जुलाई , 2024 वर्षः-12 अंक-79 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

म.प्र. धार भोजशाला

एएसआई ने म.प्र. हाईकोर्ट में सौंपी 2000 पेज की रिपोर्ट

दावा- 94 टूटी प्रतिमाएं मिलना मंदिर होने का सबूत

भोपाल/इंदौर (एजेंसी)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार में स्थित भोजशाला की साइंटिफिक स्टडी कर 2,000 पेज की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी है। करीब तीन महीने चली इस स्टडी के दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने अपने-अपने दावे किए हैं। 22 जुलाई को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी। दावा किया जा रहा है कि यहां 94 से ज्यादा क्षतिग्रस्त मूर्तियां बरामद की गई हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने धार जिले में स्थित भोजशाला का सर्वे पूरा कर अपनी दो हजार पेज की रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच को सौंप दी है। अब 22 जुलाई को इस मसले पर सुनवाई होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 23 साल पहले लागू की गई व्यवस्था को क्या हाईकोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर बदल देगा? इधर हिंदू पक्ष के वकील की ओर से दावा किया गया कि सर्वे के दौरान

कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो साबित करता है कि यहां मंदिर था।

धार जिले के इस 11वीं सदी में बने परिसर का विवाद नया नहीं है। हिंदू समुदाय भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है। मुस्लिम पक्ष कमाल मौला मस्जिद कहता है। हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस की याचिका पर हाईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को आदेश दिया था कि वह छह हफ्ते में भोजशाला परिसर की साइंटिफिक स्टडी कर अपनी रिपोर्ट सौंपे।

हिंदू पक्ष ने कहा-

हमारा पक्ष मजबूत, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे- हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे। दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

नीट : सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

● एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर आज सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है।

दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं। इनमें एजेंसी ने देश के सभी हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई की सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच ने की।

मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं

● कोर्ट ने 22 जुलाई तक कस्टडी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक बार फिर से जमानत नहीं मिली। सोमवार (15 जुलाई) को सीबीआई के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 22 जुलाई तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान सिसोदिया और अन्य आरोपियों को वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया की ओर से पेश हुए एडवोकेट नितेश राणा की दलीलें सुनने के बाद मामले को 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। 6 जुलाई को सीबीआई ने सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था, जहां कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी थी।

ट्रेन की टक्कर से टाइगर की मौत

सीहोर (एजेंसी)। सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई। जबकि दो छोटे शावक घायल हो गए। इनके इलाज के लिए भोपाल से डॉक्टर्स की टीम यहां पहुंची है। जिसने शावकों को इलाज शुरू कर दिया है।

हादसा सोमवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बुधनी के मिडघाट रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 800/18 के पास हुआ। रेंजर महिपाल सिंह ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर 1 बाघ का शव मिला है। उसके साथ दो बाघ घायल थे। ये ट्रेन की चपेट में आए हैं। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया है।

बारिश और बाढ़ ने मचाया हाहाकार

महाराष्ट्र के नासिक में फोर्ट पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

उ.प्र.-बिहार में गंगा खतरे के निशान के करीब, मुंबई में गाड़ियां बही, 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई/पटना/लखनऊ/नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तेज बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। नासिक के अंजनेरी फोर्ट में 10 से ज्यादा पर्यटक सीढ़ियों पर पानी के तेज बहाव में फंस गए। हालांकि, कुछ घंटों के बाद उन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

इसके अलावा रत्नागिरी और चंद्रपुर में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे इन जिलों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खेड में दीवानखावटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मलबे के कारण रेल सेवा बाधित हुई है। कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर चार से पांच घंटे लेट हैं।

● **उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात** – उधर, नेपाल से सटे इलाकों में तेज बारिश के कारण गंगा नदी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में खतरे के निशान के करीब बह रही है। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात हैं।

इसकी चपेट में 97 गांव हैं। वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर में बाढ़ से 50 हजार की आबादी पानी में घिरी है। बिहार में गंगा के अलावा घाघरा, गंडक, बागमती, कमला बलान, कोसी, महानंदा और परमान नदी भी खतरे के निशान के करीब हैं।

● **म.प्र.समेत 20 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान**– मौसम विभाग ने 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ–मराठवाड़ा (महाराष्ट्र), छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराइकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, उत्तर कर्नाटक, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा हैं।

● **मुंबई में मलबे के कारण ट्रेनों के पहिए थमे**– महाराष्ट्र में ट्रैक पर मलबे के कारण मुंबई जाने वाली मांडवी एक्सप्रेस खेड स्टेशन पर रुकी।

सीएम डॉ. यादव ने ली पर्यटन बोर्ड की बैठक

● भोपाल में राजा भोज म्यूजियम या रिसर्च सेंटर बनेगा, मेले, नृत्य-फिल्म शूटिंग को लेकर भी चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में राजा भोज की विधाओं और साहित्य पर आधारित रिसर्च सेंटर या म्यूजियम सेंटर बन सकता है। सोमवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में पर्यटन बोर्ड को प्लान बनाने को कहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पर्यटन बोर्ड के संचालक मंडल और साधारण सभा की वार्षिक बैठक सोमवार को हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, प्रदेश के पारंपरिक और भव्य मेलों, यात्राओं जैसे भगोरिया उत्सव, महाकाल की सवारी का प्रभावी ढंग से प्रचार करें। आधुनिक प्रचार-प्रसार के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों को बजाने वाले स्थानीय कलाकारों और पारंपरिक नृत्य के दलों को जोड़े। उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे स्थानीय कला और पारंपरिक नृत्यों का भी प्रचार-प्रसार होगा।

जबलपुर में 20 जुलाई को होगी इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव

सीएम डॉ. यादव बोले- अंबानी ने डिफेंस क्षेत्र में रुचि दिखाई; 5 कॉन्क्लेव और आयोजित होगी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में 20 जुलाई को इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव होगी। ऐसी ही 5 कॉन्क्लेव और आयोजित की जाएगी। अनिल अंबानी ने जबलपुर में डिफेंस क्षेत्र में रुचि दिखाई है। महिंद्रा ग्रुप ने बांधवगढ़ उमरिया क्षेत्र में काम करने की इच्छा जताई है। अगस्त में ग्वालियर में कॉन्क्लेव होगी।

यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मंत्रालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। कहा- जब प्रदेश में निवेश आएगा तो प्रदेश की आर्थिक समृद्धि भी बढ़ेगी। उज्जैन में हुई कॉन्क्लेव की सफलता के बाद अब 6 रीजनल कॉन्क्लेव करने की तैयारी कर रहे हैं।

कहा- मुंबई में उद्योगपतियों के साथ बैठक की थी। उन्हें 20 जुलाई को होने वाली रीजनल कॉन्फ्रेंस के लिए बुलाया है। अगस्त में ग्वालियर और फिर सागर में होने वाली रीजनल कॉन्क्लेव के लिए भी उद्योगपतियों ने प्रस्ताव दिए हैं।

जबलपुर कॉन्क्लेव में 1500 निवेशकों के प्रस्ताव–मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बिजली, पानी, लॉ एंड ऑर्डर अनुकूल है। हम निवेशकों से यही प्रोडक्ट बनाने की बात कर रहे हैं। जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 1500 निवेशकों के प्रस्ताव आए हैं। इसमें ताईवान और मलेशिया के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। 70 प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। इनमें 1222 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। अक्टूबर में रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी।

कटनी-उमरिया में भी करोड़ों के प्रस्ताव आए– कटनी जिले में उद्योगपति पार्थ जिंदल ने 17 हजार करोड़ के निवेश की बात कही है। उद्योगपति एसके अग्रवाल ने 4 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। बांधवगढ़ उमरिया में भी निवेशकों ने निवेश की बात कही है। सरकार के पास 35 से ज्यादा उद्योगपतियों के निवेश प्रस्ताव अब तक आ चुके हैं। सीधे संवाद करने से उद्योगपति कॉन्फिडेंस में आ रहे हैं, और इसके पहले जोर से चर्चाएं हुई थीं।

राम को नेपाली बताने वाले ओली बने प्रधानमंत्री

● दो साल में तीसरी बार बदली नेपाल में सरकार

काठमांडू (एजेंसी)। भगवान राम को नेपाली बताने वाले केपी ओली आज नेपाल नए प्रधानमंत्री बन गए है। उन्हें आज राष्ट्रपति नेपाल के रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई।

ओली ने भारत समर्थक माने जाने वाले शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर गठबंधन की सरकार बनाई है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने 12 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे।

वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए।

डॉ. सुदाम खाड़े ने आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण किया

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. सुदाम खाड़े ने सोमवार को जनसंपर्क संचालनालय में आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान जनसंपर्क आयुक्त श्री संदीप यादव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

जनसंपर्क संचालनालय में डॉ. खाड़े के पदभार ग्रहण करने पर संचालक श्री रौशन कुमार सिंह, अपर संचालक श्री जीएस वाधवा, श्री संजय कुमार जैन, श्री मनोज खरे सहित सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

संसद सुरक्षा चूक केस

दिल्ली पुलिस ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में अब आरोपियों को दो अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सुनवाई

आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा केस

होगी। इस मामले में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी आरोपियों के खिलाफ

यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी दी है। अब पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया है।

1000 पन्नों का आरोप पत्र दायर – दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सात जून को इस मामले में गिरफ्तार सभी छह आरोपियों मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ करीब 1000 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया था।

राज्यसभा में भाजपा के लिए अब ये कदम उठाना हुआ जरूरी, घट गई ताकत

भाजपा के चार मनोनीत सदस्य सेवानिवृत्त होने से पार्टी को हुआ नुकसान

राज्यसभा में एनडीए के सदस्यों की संख्या 101 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सत्ताधारी भाजपा की ताकत अब कम हो गई है। भाजपा के चार मनोनीत सदस्य शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए, जिससे पार्टी के सदस्यों की संख्या अब 86 रह गई। वहीं एनडीए के सदस्यों की संख्या 101 रह गई।

मित्र दलों के भरोसे पार्टी– वर्तमान में राज्यसभा की कुल क्षमता 19 खाली सीटों के साथ 226 सीटों की है। हालांकि, एनडीए आगामी बजट सत्र के दौरान सात गुटनिरपेक्ष मनोनीत सदस्यों, दो निर्दलीय और एआईएडीएमके और वाईएसआरसीपी जैसे मित्र दलों के समर्थन से सदन में महत्वपूर्ण विधेयक पारित करा सकता है।

ये कदम उठाना भाजपा के लिए जरूरी– बता दें कि कुल खाली 19 सीटों में से 4 सीटें जम्मू-कश्मीर की हैं और वहां विधानसभा चुनाव के बाद ही राज्यसभा चुनाव होंगे। चार सीटें नामित सदस्यों की खाली है। दूसरी ओर, 11 सीटों पर चुनाव होना है। इसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, राजस्थान, हरियाणा और असम शामिल हैं।

इस बीच भाजपा के लिए मनोनीत श्रेणी के तहत खाली सीटों को जल्द से जल्द भरना जरूरी होगा। एनडीए की मित्र पार्टियों पर निर्भरता को कम करने के लिए ये महत्वपूर्ण होगा।

ये सांसद हुए सेवानिवृत्त

चार मनोनीत सदस्य जो सेवानिवृत्त हुए हैं उनमें राकेश सिन्हा, राम शकल, सोनल मानसिंह और महेश जेठमलानी शामिल हैं। राज्यसभा में मनोनीत होने के बाद इन नेताओं ने औपचारिक रूप से भाजपा का साथ दिया था।

विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक का आयोजन आज

दमोह। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया जच्चा-बच्चा की जीवन रक्षा के लिए गर्भावस्था दौरान होने वाली समस्याओं के संकेतो और लक्षणों की पहचान एवं समुचित प्रबंधन के लिए आज 16 जुलाई को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिला चिकित्सालय, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सभी गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक लगाये जायेंगे। सी.एम.एच.ओ. डॉ बेक ने गर्भवती महिलाओं/परिजनों से आग्रह किया है कि प्रसव पूर्व चिकित्सीय जांच हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर गर्भवती की जांच अवश्य करवायें।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि गर्भवती महिला का संबंधित संस्था के चिकित्सक द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण-परामर्श अनुसार नैदानिक जाचें की जायेंगी। इसके लिए माईक्रोप्लान तैयार किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में समुदाय के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अंतर्गत सेक्टर में आने वाले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में पंजीकृत महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ चिकित्सक द्वारा की जायेगी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा पटेरा ब्लॉक के कुम्हारी स्थित राधिका होटल का किया निरीक्षण

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए रसगुल्ला एवं समोसा के नमूनें जांच हेतु लिए। कार्यवाही में पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में कटनी रोड स्थित राधिका होटल का औचक निरीक्षण किया गया। होटल से खाद्य सामग्री में मिलावट करके ग्राहकों को विक्रय करने की सी.एम. हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज हुई थी। मौके पर रसगुल्ला एवं समोसा के नमूने जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उक्त होटल में फ़ूड लाइसेंस मौके पर पाया गया। मैजिक बॉक्स की सहायता से खोवा, लड्डू, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर की गुणवत्ता की ऑन द स्पॉट जांच की गई।

जिला पंचायत दमोह की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति एवं सामान्य सभा की बैठक आज

दमोह। जिला पंचायत दमोह की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति एवं सामान्य सभा की बैठकें 16 जुलाई को जिला पंचायत के सभाकक्ष में क्रमश~दोपहर 02 बजे एवं अपरान्ह 03 बजे से आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह अर्पित वर्मा ने समस्त संबंधितों से उक्त बैठकों में उपस्थित होने के लिये आग्रह किया है।

निशुल्क नेत्र शिविर में हुआ नेत्र परीक्षण

दमोह । नगर की प्रोफेसर कॉलोनी सिविल वार्ड नंबर 06 मां सिद्धिदानी धाम मंदिर में आज 15 जुलाई को अग्रवाल परिवार की ओर से श्रीमती राधा रानी एवं आशा अग्रवाल की स्मृति में खिलौना पति मूलचंद अग्रवाल न्यास के सौजन्य से निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मन्दिर परिसर में किया गया। जिसमें सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट धाम के द्वारा शिविर में आए हुए सभी मरीजों का निशुल्क नेत्र परीक्षण कर उपचार के लिए अवगत कराया गया।इस अवसर पर मंदिर के पुजारी महेश मिश्रा, रामजी सहित अन्य लोग को नेत्र शिविर का लाभ मिला।

गौशाला को उचित बजट दिलाने का लिया केन्द्रीय मंत्री ने लिया संकल्प

टीकमगढ़। सोमवार सुबह केन्द्रीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार जिले के गुदनवारा ग्राम स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री लहरैंन सरकार धाम आश्रम पहुंचे। यहां पहुंच सर्व प्रथम उन्होंने पीठाधीश्वर महंत श्री नरेन्द्रदासजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।?जहां उन्होंने गौ माता के लिए श्री लहरैंन सरकार धाम सिद्ध पीठ आश्रम गुदनवारा में निर्माणाधीन गौ भक्ति गौशाला के लिए शासन से उचित बजट दिलाए जाने का संकल्प लिया। इस पर पीठाधीश्वर महंत श्री नरेन्द्रदासजी महाराज ने कहा की श्री लहरैंन धाम केन्द्रीय मंत्री को ह्रदय की गहराईयों से साधुवाद ज्ञापित करता है जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच समय निकालकर इस धार्मिक व पुण्यकार्य में अपना योगदान दिया है । श्री लहरैंन बालाजी सरकार जी की कृपा आप पर सदैव बनी रहे। इस दौरान पीठाधीश्वर महंत सहित आश्रम सेवक व भक्तगण उपस्थित रहे।

सभी कंपनियों के टैरिफ बढ़ने से बीएसएनएल की रौनक लौटी, अकेले एमपी में जुड़े 1 लाख से ज्यादा नए ग्राहक

भोपाल। एक समय था जब देश में सिर्फ बीएसएनएल का ही नाम चलता था। लेकिन धीरे-धीरे नई-नई कंपनियों ने सस्ते दामों और बेहतर 4त्न सेवाओं के दम पर बाजार पर कब्जा कर लिया। नतीजतन, बीएसएनएल के ग्राहक कम होते गए और उसकी पकड़ ढीली पड़ने लगी। अभी हाल ही में, जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने अपने टैरिफ प्लान महंगे कर दिए हैं। इस बदलाव से नाराज ग्राहक अब सस्ते विकल्पों की तलाश में हैं। और यहीं बीएसएनएल को फिर से मौका मिल रहा है। प्रदेश से आने वाले आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सिर्फ 2 हफ्ते में 1 लाख 15 हजार से ज्यादा नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़े हैं। अकेले भोपाल में ही 30 हजार नए ग्राहक जुड़े हैं। बीएसएनएल दफ्तरों में हर रोज ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ग्राहकों का कहना है कि दूसरी कंपनियों के प्लान बहुत महंगे हो गए हैं। इसलिए वे अब बीएसएनएल का रुख कर रहे हैं।

वर वधु विवाह सूत्र में बंध रहे हैं जीवन सुखी और दीर्घायु हो: पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंत मलैया

आज 01 बौद्ध, 16 निकाह सहित 617 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

दमोह। वर-वधु दांपत्य जीवन के रूप में अपने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर रहे हैं। वैदिक सनातन हिंदू धर्म के आधार पर चार आश्रमों का निरूपण है, जिसमें पहले आश्रम ब्रह्मचर्य आश्रम है, जिसमें शिक्षा ग्रहण करते हैं, दूसरा गृहस्थ आश्रम है गृहस्थ आश्रम को सब आश्रमों से श्रेष्ठ कहा गया है, द्वितीय आश्रम में आप नव प्रवेश कर रहे हैं। इस आशय के विचार आज स्थानीय कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा आपने शिक्षा ली है, लेकिन घर में चाहे बेटा हो या बहू हो घर में प्रवेश करने के साथ-साथ सास से बहुओं को झगड़ा नहीं करना चाहिए, शांति का बर्ताव करना चाहिए और बड़े लोग यदि कुछ कहते हैं, तो उसको श्रवण कर लेना चाहिए। यदि एक प्रश्न पर चार बात आप उल्टी करेंगे तो घर की प्राय~शांति भंग होगी। घर में सुखद वातावरण हो, परिवार का वातावरण शांति मय हो इसके लिये बड़ो की आज्ञा का पालन करते हुये खुशी-खुशी अपने परिवार में रहें।

इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह में जो आज शादी के बंधन में बंधे है ऐसे वर-वधुओं को शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई। आज का यह कार्यक्रम निश्चित रूप से इतिहास में दर्ज होगा और दमोह जिले में अभी तक लगभग साढ़े तीन हजार शादियां हो चुकी हैं, हटा विधानसभा में सामूहिक विवाह समारोह है, अभी तक की जानकारी अनुसार वहां पर लगभग 400-450 शादियां होने वाली है, इसका मतलब सामूहिक विवाह में

लगभग 4 हजार वर-वधु दाम्पत्य जीवन के बंधन में बधेंगे और मध्य प्रदेश शासन की इस योजना में यदि हम मानलें कि 4 हजार लोगों को लगभग 20 करोड रुपए की राशि सभी वर-वधुओं के खातों में जाएगी जो एक बहुत बड़ी रकम है, जो उनके जीवन में आगे काम में आएगी।

उन्होंने कहा गरीब परिवार की बेटियों की शादी करने का काम मध्य प्रदेश की सरकार कर रही है और आगे भी यह कार्यक्रम जारी रहेंगे। मध्य प्रदेश की सरकार बहुत सारी जनकल्याणकारी योजना में काम करती है। मध्य प्रदेश जो भी योजना लागू करता है, वह दूसरे राज्य के लोग उसको अपनाते हैं, लाडली बहना योजना मध्य प्रदेश में चलाई गई, छत्तीसगढ़ में महतारी योजना चालू की गई है, लाडली बहना योजना के तर्ज पर, तो सभी राज्य इसको लागू करते हैं।

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कृषि उपज मंडी में आयोजित हो रहे सामूहिक विवाह सम्मेलन में पहुंचकर नव दंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की सभी नव दंपत्ति सुखी, स्वस्थ और समृद्ध हो।

दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जब शादी हो जाती है, तो पिता कर्ज तले दब जाता है, मेरा, कहना है यह जो पश्चिमी सभ्यता चल रही है, इसको छोड़कर जो हमारी संस्कृति है, उसको ध्यान रखते हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शादी करें, मंदिर से शादी करायें और जो पैसा बचे उसको किसी व्यवसाय में या किसी सामान को लेने में लगाये, इससे हमारी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

सांसद श्री लोधी ने सभी को बधाई देते हुये कहा जितने दंपत्ति यहां बैठे हुए हैं, जब यहां से जाएं तो आपका जीवन बहुत अच्छे से गुजरे। उन्होंने कहा अभी हाल ही में केंद्र में पुन~ नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनी है, जैसे ही मोदी जी प्रधानमंत्री जी बने सबसे पहला कार्य उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि का किया । जिनको आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, और वे पात्र है ऐसे लोगों के लिए मोदी जी ने 3 करोड नए आवास देने की घोषणा की है। जो पात्र हितग्राही है जिन्हें आवास नहीं मिले हैं ऐसे लोगों का सर्वे होगा और सर्वे के बाद उन पात्र हितग्राहियों को भी प्रधानमंत्री आवास देने का काम सरकार करेगी।

पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा जो वर-वधु वैवाहिक सूत्र में बंध रहे हैं उनका जीवन सुखी हो, वे दीर्घायु हो और परिवार में उनके हमेशा सुख और संतोष बना रहे ऐसा प्रभु से प्रार्थना करता हूं। श्री मलैया ने कहा सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना प्रारंभ की थी और यह बहुत खुशी की बात है कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने इसके तहत मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की शुरुआत की है, जिसमें 55 हजार रूपये प्रति जोड़े के लिए शादी खर्चे के लिए और बाकी शेष राशि जो लगभग 49 हजार रूपये की होती है, वर वधु के खाते में जाती है। उन्होंने कहा यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि हमारे दमोह जिले में लगभग लगभग 4000 विवाह तेंदूखेड़ा, दमोह, पथरिया और कल हटा में हो जाएंगे, यह बहुत अच्छी और प्रसन्नता की बात है। प्रदेश सरकार की ऐसी बहुत सी योजनाएं है, जो अन्य प्रदेश भी लागू कर रहे हैं। उन्होंने बताया इस सम्मेलन में 617 विवाह संपन्न हुए हैं, जिसमें 16 निकाह और 01 बौद्ध धर्म की शादिया भी शामिल है।

जबलपुर में 20 जुलाई को होने वाले कॉन्क्लेव महत्वपूर्ण, बड़े स्तर पर प्रदेश में निवेश आने की उम्मीद - सीएम

● मोहन सरकार ने लिया 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का फैसला

म.प्र.। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि एमपी में निवेश को आकर्षित करने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के प्री-इवेंट के रूप में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किए जाएंगे एवं प्रदेश के बाहर रोड शो के आयोजन भी किये जा रहे हैं। इस कड़ी में जबलपुर में होने जा रहा कॉन्क्लेव काफ़ी महत्वपूर्ण है और इसमें बड़े स्तर पर प्रदेश में निवेश आने की उम्मीद हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पीएम मोदी के भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के संकल्प में सहयोग करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन को प्राथमिकता देने के लिए राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

सीएम ने बताया कि एमपी में निवेश को आकर्षित करने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के प्री-इवेंट के रूप में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किए जाएंगे वहीं एवं प्रदेश के बाहर रोड शो के आयोजन भी किये जा रहे हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की कड़ी में पहला आयोजन दिनांक 1 और 2 मार्च, 2024 को उज्जैन में किया गया था। इस आयोजन में कई उद्योग समूहों के प्रवर्तकों द्वारा भागीदारी की गई एवं प्रदेश में निवेश की घोषणा भी की गई। एग्रो ऑयल एण्ड गेस जे. के. सीमेंट ने 75000 करोड़, प्रणव अडानी, प्रबंध संचालक राघवपत सिंघानिया, प्रबंध द्वारा 4000 करोड़ सहित कई निवेशकों ने करोड़ों के निवेश का प्रस्ताव रखा था। लगभग 20 अन्य महत्वपूर्ण निवेशकों द्वारा इस दौरान निवेश प्रतिबद्धता प्रस्तुत की गई है, जिसके बाद कुल एक लाख करोड़ का निवेश प्रदेश में आएगा और इससे एक लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

20 जुलाई को जबलपुर में अगला कॉन्क्लेव

सीएम ने बताया कि प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की अगली कड़ी 20 जुलाई, 2024 को जबलपुर में आयोजन प्रस्तावित है। इस आयोजन में लगभग 1500 निवेशकों की भागीदारी प्रस्तावित है। उद्योगपति अनिल अंबानी ने भी इसे लेकर रुचि जाहिर की है। आयोजन अंतर्गत बायर-सेलर मीट भी आयोजित की जा रही है, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी संभावित है। यहाँ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की सहभागिता होगी।

सिंगरौली में दलित युवक की हत्या, कमलनाथ ने मुद्दे पर की जांच की मांग

म.प्र.। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मध्यप्रदेश में दलितों पर अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिस भाजपा सरकार पर दलितों की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी है, उसी भाजपा के नेता दलितों पर अत्याचार करते पाये जा रहे हैं। कमलनाथ बोले, मैं सरकार से माँग करता हूँ कि मृत दलित युवक के परिजनों को हर संभव आर्थिक एवं कानूनी सहायता प्रदान करते हुए आरोपी बीजेपी नेता को शस्त्र लाइसेंस जारी करने की पूरी प्रक्रिया की उच्च जांच की जाए। बता दे कि सिंगरौली जिले में एक दलित युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने भारतीय जनता युवा मोर्चा चितरंगी मंडल के अध्यक्ष को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभिषेक पांडेय के पास से 32 बोर की लाइसेंसी बंदूक जब्त की गई है। इसे लेकर अब पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश में दलित अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए मामले की उच्च जांच की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रदेश के सिंगरौली जिले में बीजेपी मंडल अध्यक्ष द्वारा एक दलित युवक की गोली मारकर हत्या करने का मामला हैरान करता है, दुखी करता है।

फ्रॉड कॉल से ठगी गई राशि दिलाई वापस, दिया पुलिस को धन्यवाद

टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित कशवानी ने साइबर सेल को ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। इसी तारतम्य में साइबर सेल द्वारा प्राप्त ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 5 आवेदकों से ठगी किये गए 1 लाख 61 हजार 132 रुपए जिन बैंक खातों में ट्रांसफर हुए थे उन्हें फ्रीज करवा दिया गया था। साइबर सेल की सहायता से निम्नलिखित आवेदको से ठगी गई संपूर्ण राशि उन आवेदकों के बैंक खाते में बापस जमा करवा दी गई है।

जिनमें दीपिका विश्वकर्मा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिया गया था कि उससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजान व्यक्ति ने दोस्ती कर गिफ्ट भेजने के नाम पर 50 हजार रुपए ठग लिए थे। तो आवेदक शकील कुरैशी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिया था कि उससे फ्रॉड कॉल कर अनजान व्यक्ति ने 57 हजार अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए थे।तो तीसरे नंबर पर आवेदीका खुशबू कुशवाहा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिया था कि आवेदिका का आधार कार्ड एवं बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के माध्यम से फ्रॉड कर कियोस्क से उसके खाते से 12 हजार 40 रुपए निकल लिए गए थे।, आवेदक अजय यादव ने आवेदन दिया कि इसको फ्रॉड कॉल कर इसके खाते से 27 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए गए थे।, अनिरुद्ध गंगेले द्वारा आवेदन दिया गया कि इसके खाते से ओटीपी फ्रॉड के द्वारा 15 हजार रुपए ठग लिए गए थे। उक्त आवेदकों से ठगी गई राशि आरोपियों के अकाउंट होल्ड करवाकर आवेदकों के अकाउंट में बापस करवाए गए। आवेदको की ऑनलाइन फ्रॉड में गई राशि बापस उनके बैंक खाते में जमा होने पर आवेदकों ने पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ एवं साइबर सेल को धन्यवाद कहा एवं आमजन से अपील की है कि ऑनलाइन ठगों से सावधान रहें, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन लेन देन न करें और न ही अपनी बैंक खाता संबंधी जानकारी सहित मोबाइल नंबर पर आई किसी भी प्रकार की ओटीपी को किसी से शेयर न करें न ही किसी लिंक पर क्लिक करें। खुद सुरक्षित रहें और अपनी बचत सुरक्षित रखें।

आज भरेगा आषाढ़ मास का चौथा मेला श्रद्धालुओं की रहेगी भीड़

सागर दिनकर/ हटा। जनपद हटा की ग्राम पंचायत सकोर मैं ऐतिहासिक हनुमान जीका मंदिर है। चौथी शताब्दी मौर्य राजाओं के सामियाकालीन स्वनिर्मित हनुमान जी कीमूर्ति नीलम पत्थर से बनी हुई। मंदिर मे स्थापित है। इसका अनुमान कुछ वर्ष पूर्व एक खेत की खुदाई के दौरान गणेश भगवान की खंडित मूर्ति एवं मौर्यकालीन सिक्के प्राप्त हुए थे। मंदिर केपुजारी दिनेश गोस्वामी ने बताया कि जब प्रभुश्री राम माता सीता जी की खोजकर रहे थे तो हनुमान जी एवं श्री राम भगवान की प्रथम बार आषाढ़मास में भेंट हुई थी जिस कारण प्रतिवर्ष आषाढ़ मास के हर मंगलवार को मंदिर प्रांगण में मेला लगता है। इस मंदिर में श्रद्धाविश्वास के साथ जो श्रद्धालु आते हैं, उनकी हर मनोकामनापूरी होती है। मुगल शासक औरंगजेब जब हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियांको खंडित कर रहा था, उसी क्रम में हनुमान जी की मूर्तिको भी तोड़ना चाहा लेकिन मूर्ति टूटी नहीं। जिससे वहमूर्ति को उखाड़ कर ले जाना चाहता था, मूर्ति के जमीन में धसे पांव की खुदाई करवाई जैसे-जैसे खुदाई होती जा रही थी। पांव वैसे-वैसे अंदर की ओर बढ़ रहा था उसने मूर्ति के पिछले हिस्से गड्ढा खोदना शुरू किया तो खुदाई के दौरान कुदाली हनुमान जी के पैर में लग गई। जिससे दूध निकलने लगा तब औरंगज़ेब हनुमान जी से प्रभावित होकर मंदिर का फर्श चुनाव एवं गट्टा से करवा कर वापस चला गया, जो आज भी दिखाई दे रहा है। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया का कहना है कि पांच बार सांसद एवं चार बार विधायक एवं मंत्री इन्हीं की कृपा से चुना गया हूं, जो इनकी शरण में

आता है वह कभी खाली हाथ वापस नहीं जाता। ग्राम सकोर का इतिहास से बड़ा नाता है। आल्हा खंड के रचयिता महाकवि जगनिक की जन्मस्थली है एवं महान योद्धा आल्हा ऊदल की व्यायाम शाला का उल्लेख भी यहां मिलता है।

सड़क में गड्ढा बनता जा रहा मौत का अड्डा: चिरोलया

जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों का इस गड्ढे की ओर नहीं है ध्यान

पन्ना। डॉ. मोहन यादव के प्रदेश की एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनका ध्यान सड़क में गड्ढों की ओर गया है, शायद कार में सफर करते समय उन्हें सड़क में गड्ढे दिखें हों अथवा नहीं मगर सत्य बात है कि सड़क में गड्ढों की वजह से भी सड़कों में दुर्घटनाऐं हुई हैं और आज भी सड़कों में ऐसी गड्ढे हैं जिन्हें दुर्घटना गड्ढा सहित मौत का गड्ढा भी कहा जा सकता है। ऐसे गड्ढे पन्ना नगर के अंतर्गत सड़कों में देखे जा सकते हैं। मजे की बात तो एक ऐसे गड्ढे की है जो अजयगढ़ चौराहा के पास जिसके सामने प्रांगण में शिक्षा विभाग सहित जिला पंचायत का कार्यालय भी स्थापित है। बताते चलें कि यह मुख्य मार्ग जिला न्यायालय तथा जिला कलेक्ट्रट सहित कई कार्यालय को जोड़ने वाला मार्ग है तो समझा जा सकता है कि ऐसा न हो कि बड़े-बड़े अधिकारियों की नज़र इस गड्ढे की ओर न गई हो। यह गड्ढा एक प्रकार से गति अवरोधक का काम तो कर ही रहा है लेकिन एक प्रकार से यह दुर्घटना का गड्ढा कहें या मौत का अड्डा तो कोई अतिसंयोक्ति नहीं होगी। साहित्यकार, अधिमान्य पत्रकार, समाजसेवी लक्ष्मी नारायण चिरोलया ने बताया कि इस गड्ढे की वजह से कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। मैं भी स्वयं इस गड्ढे की वजह से दुर्घटना का शिकार हो चुका हूं, वह तो गनीमत रही कि मेरे प्राण पखेरू ना उड़कर स्कूटी को क्षति पहुंची और मुफ्त में गड्ढे की वजह से लगभग 5-6

हजार की चपत लग गई। सवाल यह भी उठता है कि क्या नगर के भीतर ऐसे गड्ढे हैं तो जो जिम्मेदार अधिकारी हैं उनका क्या दायित्व बनता है। विचारणीय बात है यदि उनके दायित्व ऐसे गड्ढों को मरम्मत करने का अथवा सुधारने का बनता है तो उनका ध्यान इन गड्ढों की ओर क्यों नहीं जा रहा। इस दिशा में जुर्माना स्वरूप संबंधित अधिकारियों का एक वर्ष का वेतन शासन के द्वारा काटा जाना उचित होगा, तब उनको अपनी जिम्मेदारी का ऐहसास होगा। स्मरण आ रहा है कि बीते लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का जब कलेक्ट्रेट की ओर जाना-आना हुआ तब वह उक्त गड्ढे के बगल से निकल चुके हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
इंदौर, मंगलवार 16 जुलाई , 2024

बाइक चोर गिरोह के दो सदस्यों को पलासिया पुलिस ने पकड़ा, 16 बाइक बरामद

इंदौर। शहर में बढ़ती चोरी और नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस

लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में इंदौर की पलासिया थाना पुलिस को एक बडी कामयाबी हासिल हुई है, एक कंजर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड भी है पुलिस अब आरोपियों को रिमांड को लेकर अन्य मामलों में पूछताछ करेगी।

एडीशनल डीसीपी जोन 1 रामसनेही मिश्रा ने मीडिया के जानकारी देते हुए बताया कि पलासिया थाना क्षेत्र हुई कुछ वाहन चोरी की घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस को कुछ संदिग्ध मिले जिनकी आसपास के गांवों के लोगों से पूछताछ के बाद दो लोगों को पलासिया थाना पुलिस ने हिरासत में लिया गया जिनका नाम विनोद और महेंद्र है जो की कंजर गिरोह के सदस्य होना बताया गया।

इंदौर : जेसीबी ड्राइवर की लापरवाही ने उजाड़ा कुल का दीपक

इंदौर में जेसीबी का पंजा लगने से छह साल के बच्चे की जान चली गई। घटना हीरानगर थाने के लहैया कालोनी में हुई। बच्चे के परिजन ने बताया कि जेसीबी चालक को पहले भी समझाइश दी गई थी लेकिन उसकी लापरवाही की वजह से बच्चे की जान गई। घटना के बाद परिजन ने विजय नगर के सिका चौराहे पर चक्का जाम किया। पुलिस ड्राइवर को तलाश कर रही है।

हीरा नगर पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार सुबह हुई। यहां जेसीबी मशीन से सड़क पर मुरम समतल की जा रही थी। तभी जेसीबी का पंजा छह साल के बच्चे शिवांश पुत्र राकेश काबरा को लग गया। पत्थर लगने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और सिर फटने से खून बहने लगा। परिवार के लोग उसे लेकर तत्काल लाइफ केअर अस्पताल (एलसीएच) पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने कहा कि अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। घटनास्थल पर मौजूद रहवासियों ने कहा कि जेसीबी चालक कान में ईयरफोन लगाकर गाने सुन रहा था।

सावन माह में ओंकारेश्वर में जुटेगी भीड़, ट्रैफिक सुगमता हेतु मोरटक्का में रोके जाएंगे वाहन

इंदौर। आगामी सावन माह में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। इसके लिए प्रशासन बेहतर इंतजाम करने की तैयारी कर रहा है। ओंकारेश्वर में वाहनों की अधिकता होने पर बड़वाह, सनावद एवं मोरटक्का में कुछ समय के लिए उन्हें रोका जाएगा। इसके साथ पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए होल्डिंग एरिया भी विकसित किए जाएंगे, ताकि भीड़ को कंट्रोल किया जा सके। इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने इस सप्ताह ओंकारेश्वर में अधिकारियों की बैठक ली और यह व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। उन्होंने सावन महीने में एक कंट्रोल रूम स्थापित करने के भी निर्देश दिए। संभागायुक्त ने आगे कहा कि मंदिर परिसर में वर्तमान व्यवस्था को और किस तरह बेहतर किया जा सके इसके बारे में आने वाले समय में यहां के जनप्रतिनिधियों, पंडितों, पुजारियों, दुकान संचालित करने वाले व्यवसायी एवं स्थानीय लोगों से भी चर्चा की जाएगी। नाविकों को विशेष रूप से आपदा मित्र के रूप में तैनात किया जाएगा। उनका परिचय पत्र बनाकर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इंदौर के नाम एक और रिकॉर्ड : एक दिन में 11 लाख से अधिक पौधे लगाने का विश्व रिकार्ड बनाया

इंदौर। इंदौर की रेवती रेंज टेकरी पर रविवार को शहर ने एक और कीर्तिमान बनाया एक दिन में 11 लाख से ज्यादा पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जिसे जांचने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम इंदौर आई थी। 300 से ज्यादा लोगों की टीम पौधों की गिनती में जुटी है। टीम का नेतृत्व कर रहे निश्चय ने बताया कि इंदौर में 11 लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए है।

स्वच्छता में सात बार से देश में प्रथम बन रहे इंदौर ने आखिरकार एक दिन में सर्वाधिक पौधे रोपने का विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया । इंदौर की रेवती रेंज टेकरी पर रविवार को यह रिकॉर्ड बनाने में सहभागी बनने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खासतौर से इंदौर आए थे। उन्होंने अपनी मां कुसुम बेन की याद में पौधा रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मेयर पुष्यमित्र भार्गव और नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को गिनीज बुक की ओर से विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। तीनों नेताओं ने शहर वासियों को इस रिकॉर्ड के लिए बधाई दी है।

अदाणी ग्रुप इंदौर में वितरित करेगा 11 लाख पौधे

इंदौर। शहर में ग्रीन कैंपेन के तहत 51 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य है। अदाणी समूह इस ग्रीन कैंपेन के लिए 11 लाख पौधे उपलब्ध कराएगा। इस साल बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्य के कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय ने प्रदेश के 55 जिलों में 5.5 करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प लिया था।

यह देश भर में 140 करोड़ पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का हिस्सा है। एक पेड़ माँ के नाम को भी आगे बढ़ाएगा। इंदौर में लगाए जाने वाले 51 लाख पेड़ों में से 11 लाख पौधे अदाणी समूह उपलब्ध कराएगा। ये पौधे 25 विभिन्न प्रजातियों के होंगे, जो शहर के ग्रीन जोन में जैव विविधता (बायोडायवर्सिटी) विकसित करने में मदद करेंगे।

पत्रकार वार्ता में अजय चौरड़िया ने जीतू पटवारी और भंवर जितेंद्र सिंह पर लगाए गंभीर आरोप

इंदौर। एमपी कांग्रेस के उद्योग और व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजय चौरड़िया ने कल इंदौर प्रेस क्लब में एक पत्रकार वार्ता में सीधे सीधे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में हार, लोकसभा चुनाव में हार, अमरवाड़ा उप चुनाव में हार के बाद कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व क्या सोच रहा है कोई नहीं जानता , लेकिन कांग्रेस के पुराने नेता अब खुलकर सामने आ रहे है। मीडिया से बात में चौरड़िया ने पटवारी पर कई गंभीर आरोप लगाए, अजय चौरड़िया का कहना है कि जीतू पटवारी अपने में मस्त हैं लेकिन उनके व्यवहार से कार्यकर्ता दुखी और निराश है उन्होंने कहा कि खुद पटवारी और प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह बड़े अंतर से चुनाव हारे उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस और कमजोर हुई अजय चौरड़िया ने अक्षय बम कांड में जीतू पटवारी की भूमिका संदिग्ध मानते हुए आरोपों की बौछार कर दी, अजय चौरड़िया ने आरोप लगाया कि जीतू पटवारी अपने पद पर रहते हुए संगठन की अनदेखी कर रहे है जिससे कांग्रेस कमजोर हो रही है यदि पार्टी को मजबूत करना है तो एक बेहतरीन नेता चाहिए ना की आपने फॉलोअर बढ़ाने वाला व्यक्ति चाहिए। चौरड़िया आगे बोले कि जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश को कुछ नहीं दिया जबकि इनके परिवार को और इन्हें मध्य प्रदेश ने बहुत कुछ दिया है लेकिन जीतू पटवारी को इसकी परवाह नहीं है, एक समय था जब केंद्र में मध्य प्रदेश से सात सात मंत्री होते थे लेकिन आज एक सांसद के लाले हैं ये किसकी जवाबदारी है? उन्होंने कहा कि नेतृत्व मुझे बुलाकर पूछेगा तो मैं बहुत कुछ बताऊंगा, उन्होंने ये भी कहा कि इसके बाद मुझपर एक्शन निश्चित है लेकिन मैं मरते दम तक कांग्रेस का सिपाही रहूँगा ये आपको भरोसा दिलाता हूँ। चौरड़िया के बयान के बाद इनके जैसे कई नेता भी आगे आ सकते हैं जिससे जीतू पटवारी की मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं।

शहर में वाहनों की नई व्यवस्था लागू, अब ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन से होगी वाहनों की फिटनेस जांच

इंदौर। शहर में सोमवार से वाहनों की नई फिटनेस व्यवस्था लागू होगी। अब वाहनों की फिटनेस जांच मैन्युअल तरीके से नहीं, बल्कि ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन से की जाएगी। अब वाहन स्वामियों को अपने वाहनों की फिटनेस ऑटोमेटेड स्टेशन पर ही करवानी होगी और फिटनेस प्रमाण पत्र आरटीओ कार्यालय से नहीं मिलेंगे। जिससे फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में पारदर्शिता बढ़ेगी। यह नया प्रक्रियात्मक बदलाव वाहन स्वामियों को अपने वाहनों की फिटनेस वेदांती व्हीकल फिटनेस (एसपीवी) द्वारा स्थापित ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से करानी होगी। इस सुधार से कबाड़ वाहनों का सड़क पर दौड़ना मुश्किल हो जाएगा। नयी व्यवस्था की आधिकारिक शुरुआत सोमवार को होगी।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, यह व्यवस्था लागू की गई है। ट्रैक से वाहन गुजरने पर ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन में वाहनों की फिटनेस जांच की जाएगी, जिसमें मैनुअल जांच की बजाय ऑटोमेटिक सिस्टम का उपयोग होगा। इस सिस्टम में वाहनों को ट्रैक से गुजारा जाएगा और वाहन के सभी अंगों की विस्तृत जांच की जाएगी। अगर कोई खराबी मिलती है, तो वाहन को अनफिट घोषित किया जाएगा। इस नई प्रक्रिया से सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल फिट वाहन ही सड़कों पर चल सकें।

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा हेतु विधायक गोलू शुक्ला द्वारा सावन माह के दौरान खंडवा रोड पर बड़े वाहनों को प्रतिबंधित करने की मांग

इंदौर। 22 जुलाई से सावन शुरू होने वाले सावन पर्व में लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री और भक्तों का खंडवा रोड से आना जाना रहेगा इसके मद्देनजर ओंकारेश्वर में भी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।। 19 अगस्त तक चलने वाले सावन के लिए मप्र के साथ ही देश के कोने कोने से लाखों भक्त इस दौरान ओंकारेश्वर आएंगे। प्रशासन द्वारा तीर्थयात्रियों के लिए आवास, भोजन और परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इन सबके बीच भीड़ को नियंत्रित करना और इंदौर खंडवा रोड पर लगने वाले जाम को रोकना बड़ी चुनौती नजर आ रहा है। विधायक गोलू शुक्ला ने इस विषय पर कलेक्टर का पत्र लिखा है। इंदौर के संभागायुक्त दीपक सिंह ने भी इस सिलसिले में ओंकारेश्वर में मीटिंग ली है।

विधायक ने कहा, कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

अगले सप्ताह से कांवड़ यात्राएं शुरू होने वाली हैं। कई बार ट्रक और भारी वाहनों की चपेट में आने से कांवड़ियों की जान चली जाती है। अभी पूरे रास्ते में निर्माण कार्य चलने से कांवड़ियों की सुरक्षा की चिंता भी बढ़ गई है। इंदौर के विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि प्रशासन को कांवड़ यात्राओं की सूचना दे दी गई है। हमने कलेक्टर से मांग की है कि एक महीने तक खंडवा रोड पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद किया जाए।

इंदौर में कई चौराहों पर तीन मिनट तक रहती है रेड लाइट, जरा सी बारिश में ट्रैफिक जाम...

इंदौर। आबादी बढ़ने के साथ ही इंदौर शहर में प्रत्येक चौराहे पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। जरा-सी बारिश होने या फिर वाहनों के गुत्थमगुथा होते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसकी वजह से गंतव्य तक पहुंचने में लोगों को अधिक समय लग रहा है। बिगड़े ट्रैफिक को सुधारने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। इस कार्य के लिए अब शहर की शीर्ष संस्था आईआईटी और आईआईएम इंदौर आगे आई है। ट्रैफिक सिग्नल से लेकर चौराहों को सुव्यवस्थित करने के अलावा वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक किया जाएगा। फिलहाल यातायात को बेहतर बनाने आईआईटी के विद्यार्थी जानकारी जुटाने में लगे हैं।

रेड लाइट ज्यादा समय तक रहती है- बीते दिनों महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के बीच चर्चा हुई थी। इसमें चौराहों को व्यवस्थित करने सहित लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने पर भी बातचीत की गई। इसके बाद आईआईटी के विद्यार्थियों ने कुछ चौराहों और सिग्नल के बारे में अध्ययन किया, जिसमें पाया कि शहर में रेड लाइट का समय काफी अधिक है।

कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट- कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट रहती है। वाहन चालकों में धैर्य नहीं है। कई बार चालक सिग्नल नहीं होने पर भी वाहन निकालते हैं। जबकि जो वाहन चालक चालान के डर से सिग्नल पर खड़े रहते हैं, वे भी रेड लाइट बंद होते ही वाहनों को आगे बढ़ा लेते हैं। वैसे ग्रीन सिग्नल चंद सेकंड दिया जाता है। इस वजह से चालक वाहन निकलने में जल्दबाजी करते हैं। इससे सिग्नल पर वाहन आपस में गुत्थमगुथा होते हैं और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। फिलहाल आईआईटी ने शहर के अलग-अलग चौराहों पर सिग्नल की स्थिति देखी है।

निगम को देना होगा प्रजेंटेशन

आईआईटी और इंदौर नगर निगम में प्रारंभिक स्तर पर यातायात को लेकर चर्चा हुई है। अब निगम की तरफ से प्रजेंटेशन होना बाकी है, जिसमें आईआईटी ने प्राब्लम स्टेटमेंट मांगा है। इसके माध्यम से शहर के किन चौराहों पर यातायात की ज्यादा दिक्कतें है, वह बताना है। आईआईटी ने चुनिंदा चौराहों के बारे में पूछा है।

5-ई पर दिया सुझाव

यातायात को लेकर आईआईएम इंदौर ने 2019 में एक अध्ययन किया था, जिसमें 5-ई के बारे में सुझाव दिया था। इनमें एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, एन्वायरमेंट, इमरजेंसी प्रमुख था। आईआईएम ने चौराहों को व्यवस्थित करने के लिए इंजीनियरिंग पर जोर दिया था। लोगों में यातायात नियमों का पालन करवाने और जागरूकता के बारे में कहा।

जेसीबी से उछले पत्थर से मासूम का सिर फटा, मौत

घर के बाहर खेल रहा था बच्चा, तभी मुरम समतल करते समय हुआ हादसा

इंदौर। इंदौर के हीरानगर में सड़क पर काम कर रही जेसीबी मशीन से पत्थर उछलकर पांच साल के बच्चे के सिर में लगने से मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह हुई। परिजन ने आक्रोश जताया है। पुलिस के मुताबिक घटना लाहिया कॉलोनी की है। यहां जेसीबी मशीन से सड़क पर मुरम समतल की जा रही थी। तभी जेसीबी से एक पत्थर उछला जो 5 साल के बच्चे शिवांश पुत्र राकेश काबरा को जा लगा। इससे उसे सिर में गंभीर चोट आई। सिर फटने से खून बहने लगा। परिवार के लोग उसे लेकर तत्काल लाइफ केअर अस्पताल (एलसीएच) पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने कहा कि अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। पानी भरने की समस्या के कारण मुरम बिछाई थी

राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पद बढ़ाने की मांग

एमपीपीएससी के बाहर बारिश के बीच अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, पुलिस पहुंची

इन्दौर। राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पदों की वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर सोमवार को एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन कर आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थी प्रशांत राजावत ने बताया कि राज्यसेवा भर्ती परीक्षा 2024 में कुल 110 और वन सेवा परीक्षा 2024 में 14 पद है। जबकि विभागों में हजारों पद खाली है। हम अभ्यर्थियों की मांग है कि राज्य सेवा परीक्षा 2024 में कम से कम 500 और वन सेवा परीक्षा 2024 में 100 पदों पर भर्ती की जाए। ओबीसी आरक्षण के कारण हजारों अभ्यर्थी नियम के कारण होल्ड पर है इसलिए ओबीसी आरक्षण के केस को कोर्ट में खत्म करने के लिए प्रयास किए जाना चाहिए।

स्कूल बसें होंगी और ज्यादा सेफ, छत पर लगेगा वाटर टैंक... आग लगते ही चालू हो जाएंगे फव्वारे

इंदौर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रशासन लगातार प्रयास करता रहता है। स्कूलों के लिए खरीदी नई बसों का परिवहन विभाग में पंजीयन तभी किया जा रहा है जब उसमें फायर अलार्म एंड प्रोटेक्शन सिस्टम (एफएपीएस) डिवाइस लगी हो। बसों में आग लगने पर इस डिवाइस के कारण सीटों पर पानी का फव्वारा शुरू हो जाएगा और आग पर तत्काल काबू पा सकेंगे।

ऐसे काम करता है एफएपीएस डिवाइस

एफएपीएस डिवाइस फायर अलार्म एंड प्रोटेक्शन सिस्टम है। इसमें बस की छत पर वाटर टैंक बनाना होता है। इसके साथ नाइट्रोजन सिलिंडर भी लगाया जाता है। बस के अंदरुनी हिस्से यानी सीटों के ऊपर पाइप लाइन डालकर उसमें स्प्रिंकलर लगाने होते हैं।

बस में आगजनी की घटना होने पर यह नाइट्रोजन और पानी को पाइप लाइन में पहुंचाता है और स्प्रिंकलर के माध्यम से तेजी से सीटों पर आता है, जिससे त्वरित गति से आग पर नियंत्रण पा सकते हैं।

डिवाइस के कारण लेट हो रहे

समाया स्कूल बस ट्रांसपोर्ट प्रा.लि. के मैनेजर अभय मिश्रा ने बताया कि 15 बसों में से कुछ पुरानी तो कुछ का रजिस्ट्रेशन पहले ही हो चुका है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 16 जुलाई , 2024

संपादकीय | समाज और कानून एक-दूसरे के पूरक लेकिन...

हमारे देश में लगभग साढ़े 1200 कानून हैं और हर बार संसद में नए कानून बनते रहते हैं। इसी प्रकार राज्यों में भी होता है। इन कानूनों, नियमों, प्रतिबंधों और व्यवस्थाओं से उम्मीद की जाती है कि नागरिकों का जीवन आसान होगा और वे कभी भी जरूरत पड़ने पर इनके अंतर्गत न्याय की गुहार लगा सकते हैं। भारत अनेक संगतियों यानी अच्छी बातों और उनके सामने अनेक विसंगतियों यानी खराब और विरोधी विचारों, परंपराओं तथा मान्यताओं से भरा देश है। यह धर्म, जाति, भाषा, पहनावा, रहन-सहन की बात नहीं है, वह तो विविधता लिए हुए ही हैं, एकता की तलाश करने की भावना से जुड़े हैं। कोई भी अपनी संस्कृति या धरोहर त्यागना तो दूर, तनिक बदलना भी नहीं चाहता। इन पर आंच आती दिखाई देती है तो रक्षा के लिए प्रदर्शन, हिंसा और अनेक असामाजिक गतिविधियां होती हैं। पुलिस, प्रशासन भी यथासंभव कानून के अनुसार कार्रवाई करता दिखाई देता है। प्रश्न यह है कि जब सब कुछ कानून में तय है तो क्यों उनमें कोई खामी यानी लूपहोल खोजने लगता है ताकि जो वह चाहता है, कर सके और कानून के उल्लंघन का ठीकरा भी उसके माथे पर न फोड़ा जा सके और लगे कि सब कुछ नियम और कानून के अनुसार हुआ है? यहीं से शुरू होता है रिश्वत यानी सुविधा शुल्क का खेल जो भ्रष्ट तरीके अपनाए बिना पूरा नहीं होता। इसका अर्थ यह हुआ कि कानून इस बात की गारंटी नहीं हैं कि उनके मुताबिक चलकर आप अपनी मंजिल पा सकते हैं। यह ऐसी स्थिति है जिसमें इस बात की दावत दी जाती है कि आपको काम कराना है और हमें करना है तो हमारी मेज की दराज खुली है, उसमें भेंट दीजिए और बाकी हम पर छोड़ दीजिए। यदि कोई इतनी-सी बात न समझे तो फिर वह नियमानुसार काम कराने के लिए दर-दर की ठोकरें खाए, अपना समय गंवाए और कुछ न हो तो अपने भाग्य को दोष देकर घर बैठ जाए !हमारे देश में लगभग हर बात के लिए नियम और कानून हैं, जैसे कि सड़क पर चलना, गाड़ी चलाना, किसी भी साधन से यात्रा, खरीदना, बेचना, उपभोक्ता संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, वन और वन्य जीव तथा पर्यावरण रक्षण, खेतीबाड़ी, व्यापार, व्यवसाय, नौकरी, मानवाधिकार, प्राकृतिक या मानवीय आपदा, मतलब यह कि एक लंबी सूची है जो इसका भ्रम पैदा करती है कि यदि कुछ गलत होता है तो कानून, पुलिस, प्रशासन तथा अंत में सरकार तो है न जो हमें सुरक्षा देने के लिए मौजूद है। विडंबना यह है कि समय, काल, परिस्थिति और व्यक्ति की हैसियत के अनुसार ही न्याय और अन्याय की परिभाषा तय होती है। इसके अतिरिक्त यह तय करने में ही दिन, महीने और वर्ष निकल जाते हैं कि जिस तथाकथित अपराध के लिए कोई कार्रवाई की गई है, उसका स्रोत क्या है? हालांकि हरेक बात के लिए समय सीमा निर्धारित है परंतु न तो कोई कानून है और न ही किसी दंडाधिकारी में इस बात की उत्सुकता दिखाई देती है कि निर्धारित समय नामक प्रावधान का पालन हो। यह बेबुनियाद तर्क दिया जाता है कि चाहे कितने भी अपराधी बच जाएं पर एक भी निर्दोष को सजा न हो। यहीं से पक्षपात की शुरूआत होती है, जोड़-तोड़ की प्रक्रिया चलने लगती है, बच निकलने के प्रयास होते हैं और कानून के हाथ चाहे जितने भी लंबे बताए जाएं, उसके अंधे होने का कवच अपराधी को सुरक्षा प्रदान कर देता है।कानून और व्यवस्था की इसी कमजोरी के कारण आज संसद हो या विधान सभाएं, उनमें सजायाफ्ता, बाहुबली, घोषित उपद्रवी, हत्यारे, बलात्कारी और यहां तक कि आतंकवादी पहुंच जाते हैं। यही वे लोग हैं जिनकी किसी भी कानून को बनाने में सब से बड़ी भूमिका होती है। प्रतिदिन इस प्रकार के समाचार मिलते हैं कि दुर्घटना, जानबूझकर और संगठित बेईमानी, हेराफेरी, घोटाले के वास्तविक अभियुक्त पकड़े नहीं जाते, निडर होकर घूमते दिखाई देते हैं, ऐसी बातें उजागर होती हैं कि दांतों तले उंगली दबानी पड़ जाए और उन तक कानून पहुंच न सके तो फिर यह किसका दोष है? आज भारी-भरकम और तड़क-भड़क से लैस बहुत से कानून होने के बावजूद हमारी हर्बल संपदा की चोरी और तस्करी विशाल पैमाने पर हो रही है। वन विनाश अपने चरम पर है। प्राकृतिक संसाधनों के शोषण और उनके प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया रखने के कारण, अनेक कानूनों के होते हुए भी कुदरत का कहर बरस रहा है। यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है क्योंकि हमने कानून तो बहुत बना दिए, लेकिन उनका आदर और सम्मान नहीं होता। इसके विपरीत उनका इस्तेमाल समाज के उस वर्ग को अपमानित और प्रताड़ित करने के लिए किया जाता है जो नियमानुसार चलना चाहता है। निष्कर्ष यह है कि कानून बनाए हैं तो उनका ईमानदारी से पालन करने की व्यवस्था पहले करनी चाहिए। हमारे यहां सजा से खौफ खाने का वातावरण बनाया जाता है न कि स्वयं ही कानून का पालन करने का। कानून तोड़ने वाला नायक और जो ऐसा न करे वह खलनायक माना जाता है। सजा या जुर्माना कोई अहमियत नहीं रखता बल्कि यह सोच है कि कानून का पालन अपने आप ही होना चाहिए।

नेताओं, कार्यकर्ताओं को जोड़े रखना भी तो चुनौती...

पार्टी एक बार लोकसभा का चुनाव हार जाए तो पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ रखना मुश्किल होता है। दूसरा लोकसभा चुनाव हार जाए तो पार्टी छोड़ने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं का लंबा सिलसिला शुरू होता जाता है। यदि पार्टी तीसरा लोकसभा भी हार जाए तो पार्टी के लिए नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़े रखना और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। राजनीति में माना जाता है कि दल तब ही एकजुट व मजबूत रहता है जब पार्टी सत्ता में रहे। निरंतर सत्ता में रहे।इसके उलट यदि पार्टी निरंतर सत्ता से बाहर रहती है तो न तो वह एकजुट रहती है और न ही मजबूत रहती है। जितनी बार हारती है, उतनी कमजोर होती जाती है।देश में कांग्रेस की ऐसी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी है जो लोकसभा का तीन चुनाव हार चुकी है। इसलिए अन्य क्षेत्रीय दलों की तुलना में उसके लिए अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना सबसे बड़ी चुनौती है। तीन चुनाव हारने के बाद पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं रह जाता है कि अब उनकी पार्टी कोई चुनाव जीतने वाली है। ऐसे में स्वाभाविक है कि वह दूसरे राजनीतक दलों में अपना भविषय तलाशने का प्रायस करेंगे। दस साल में जितने कांग्रेस नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उतनी कभी नहीं छोड़ी क्योंकि कांग्रेस पहले एक चुनाव हार जाती थी तो पांच साल बाद दूसरा चुनाव जीत जाती थी। कभी ऐसा नहीं होता था कि कांग्रेस दो चुनाव, तीन चुनाव लागतार हारे। इससे नेताओं व कार्यकर्ताओ में भरोसा रहता था कि एक चुनाव हार गए तो दूसरा चुनाव हम जीत लेंगे। तीन चुनाव हारने के बाद ऐसा भरोसा नहीं रह जाता है तो पार्टी के नेताओं के सामने नेताओं व कार्यकर्ताओं को किसी तरह भरोसा दिलाया जाए कि जल्द ही हमारी सरकार बनने वाली है। चुनाव में तो कांग्रेस को बहुमत मिला नहीं है, उसकी सरकार भी नहीं बनी है, फिर भी राहुल गांधी व कांग्रेस नेता आए दिन यह बयान इसीलिए देते हैं कि मोदी सरकार कमजोर है, वह कभी भी गिर सकती है,उसे तो हम अगस्त में गिरा देंगे। लालू यादव ने जो बयान हाल में दिया है कि अगस्त में मोदी सरकार गिर जाएगी,अपनी पा्र्टी के नेताओं को आश्वस्त करने की कोशिश है कि केंद्र में हमाही सरकार बनने वाली है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गाधी भी यही कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में अहमदाबाद में फिर कहा है कि जिस तरह भाजपा सरकार ने यहां कांग्रेस कार्यालय को तोडा है, हम भाजपा सरकार को तोड़ देंगे. जिस तरह भाजपा को हमने अयोध्या में हराया है, उसी तरह गुजरात में भी अगल चुनाव में हार देंगे। राहुल गांधी को पार्टी को अगले चुनाव तक एकजुट करना है तो यह तो कहना ही पड़ेगा कि अगला चुनाम हम जीतेंगे।लेकिन गुजरात में कांग्रेस दो दशक से चुनाव हारती आ रही है,इसलिए उसके लिए गुजरात में भाजपा को हराना आसान तो नहीं है लेकिन वह यह उम्मीद कर सकते हैं कि दो दशक में भाजपा के खिलाफ जो नाराजगी है, हो सकता है वह अगले चुनाव में उभर कर सामने आ जाए और कांग्रेस के अलावा कोई विकल्प न होने के कारण लोग कांग्रेस को ही चुने। राहुल गांधी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा को अकेले नहीं हरा सकती।

आज का कार्टून

40 साल बाद 'पलटा' गया एक महत्वपूर्ण फैसला

> चालीस साल बाद अब एक बार फिर उसी सुप्रीम कोर्ट ने इतिहास को दोहराते हुए एक अहम फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ता लेने के हक की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है.।जब हुकूमत बदलती है तो संवैधानिक संस्थाओं का कामकाज का तरीका और नजरिया भी बदल जाता है। याद कीजिए मोदी सरकार के आने से पूर्व तक कैसे अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान, वाराणसी के ज्ञानवापी मंदिर-मस्जिद और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद को लटकाया जाता रहा था। कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने पर खूब-खराबे की बात कही जाती थी। एक बार में तीन तलाक को शरिया की आड़ में सही ठहरा के लाखों मुस्लिम महिलाओं को एक झटके में घर से बेखर कर दिया जाता था और सरकारें तुष्टिकरण की सियासत और मुस्लिम वोट बैंक के चक्कर में उफ तक नहीं करती थीं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शरिया की चादर ओढ़कर सरकार पर दबाव बनाने का काम करता था। हलाला के नाम पर महिलाओं का शारीरिक शोषण और मानसिक शोषण को एक परम्परा बना दिया गया था। मुस्लिम महिलाओं को पारिवारिक सम्पति में उनके हुकूक से महरूम रखा जाता था। बहु विवाह महिलाओं के लिये एक अभिशाप बन हुआ है। धर्म की आड़ में वक्फ बोर्ड जैसी संस्थाएं किसी की भी जमीन मकान पर अपना मालिकाना हक जता देते थे। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने जब एक तलाकशुदा बुजुर्ग मुस्लिम महिला शाहबानो को उसके शौहर से चंद रुपये का मुआवजा देने का आदेश सुनाया तो राजीव गांधी सरकार ने इस फैसले को पलटने में देरी नहीं लगाई थी।

संजय सक्सेना

खैर, चालीस साल बाद अब एक बार फिर उसी सुप्रीम कोर्ट ने इतिहास को दोहराते हुए एक अहम फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ता लेने के हक की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। दोनों जजों ने फैसला तो अलग-अलग सुनाया, लेकिन दोनों की राय एक ही थी। दोनों ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला भी गुजारा भत्ता पाने के लिए पति के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 125 के तहत केस कर सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला ठीक वैसा ही है, जैसा कि 23 अप्रैल 1985 में शाहबानो मामले में दिया गया था।

दरअसल, 1985 में इंदौर की एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो ने गुजारा भत्ता हासिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके पति मोहम्मद अहमद खान को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।कट्टरपंथी मुस्लिमों ने इस फैसले को शरिया में दखलंदाजी करार देते हुए विरोध शुरू कर दिया। उस समय की मौजूदा राजीव गांधी सरकार जो मुस्लिम वोटों की बड़ी दावेदार थी, उसे जब लगा कि उसका मुस्लिम वोट बैंक इस फैसले से खिसक सकता है तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी कट्टरपंथियों के विरोध के आगे झुक गये और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी बनाने के लिए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 लाकर मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कोर्ट के फैसले को पलट दिया।

राजीव गांधी सरकार द्वारा लाए गए मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) कानून, 1986 की संवैधानिक वैधता को 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी। डेनियल लतीफी वकील थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में शाहबानो का प्रतिनिधित्व किया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 1986 के कानून की व्याख्या इस तरह से की जिससे की अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। कोर्ट के इस फैसले ने सुनिश्चित किया कि मुस्लिम महिलाओं को गरिमा के साथ अपना जीवन जीने के लिए उचित मदद मिले।

राजीव गांधी सरकार ने भले ही शाहबानों केस में मुआवजे के सुप्रीम कोर्ट के आदेश वाले फैसले को कानून बनाकर पलट दिया था,लेकिन मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई कभी थमी नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में जोर देकर कहा था कि धर्म का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। यह बात खास कर लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस बात की पुष्टि की गई थी कि पर्सनल ला संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होने चाहिए। इसी प्रकार 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने शमीम बानो नाम असरफ खान मामले में कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के

बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया था कि मुस्लिम पति की जिम्मेदारी हैं कि वह तलाकशुदा पत्नी के भविष्य के लिए गुजारा भत्ता सहित उचित व्यवस्था करें और यह बात इद्दत की अवधि से आगे के लिए भी लागू होती है। इस कड़ी में 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले को भी नहीं भुलाया जा सकता है।जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था। कोर्ट ने कहा कि तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

कुल मिलाकर 10 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट का अपने अहम फैसले में मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश व्यापक प्रभाव वाला है। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से भरण-पोषण यानी गुजारा भत्ता पाने की हकदार हों इसमें कोई बुराई भी नहीं हैं। ऐसे फैसलों पर धर्म के नाम पर कतई विवाद नहीं होना चाहिए।लम्बे समय से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं हक से महरूम थीं।संभवता अब उन्हें न्याय मिल पाये। क्योंकि इस फैसले के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी सरकार की ओर से उठाए गए एक गलत कदम का प्रतिकार करने के साथ ही मुस्लिम महिलाओं को न्याय देने का काम किया है। एक तरह से इस निर्णय के जरिये सुप्रीम कोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि 1985 उसकी पूर्ववर्ती बेंच के द्वारा शाहबानो मामले में दिया गया फैसला सर्वथा उचित एवं संविधान सम्मत था भले ही राजीव गांधी सरकार ने उसे पलट दिया था। 1986 में कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के दबाव में आकर उनके मन मुताबिक और शरिया के अनुकूल मुस्लिम महिला अधिनियम बनाया था। इस अधिनियम का एकमात्र उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का हनन करना था।

चालीस सालों में हालात काफी बदल चुके हैं। तब कांग्रेस पावरफुल हुआ करती थी उसकी जगह बीजेपी ने ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी पंथनिरपेक्ष कानून पर हावी नहीं होगा और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं गुजारा भत्ता के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल यही आकर नहीं रुका, इसके आगे भी कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग समुदाय की महिलाओं को भिन्न-भिन्न कानूनों से संचालित नहीं किया जा सकता, बल्कि इस फैसले के साथ कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की आवश्यकता भी जताई है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट यह भी संदेश दिया है कि देश के लोग संविधान से चलेंगे, न कि अपने पर्सनल कानूनों से, वे चाहे जिस पंथ-मजहब के हों। इसका कोई औचित्य नहीं कि देश में अलग-अलग समुदायों के लिए तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि के नियम-कानून इस आधार पर हों कि उनका उनका पंथ-मजहब क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है, इस फैसले को राजनीतिक दल किस तरह से लेते हैं,यह देखने वाली बात होगी। हां इतना तय है कि बीजेपी इसके पक्ष में खड़ी नजर आयेगी। वहीं विपक्ष से यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि उनके नेता सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की प्रशंसा करने के लिए आगे आयेगें, जो पिछले कुछ समय से संसद के भीतर-बाहर संविधान की प्रतियां लहराकर यह दावा करने में लगे हुए थे कि उन्होंने संविधान की रक्षा की है और वे उसे बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि संविधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सच्ची है तो उन्हें इस फैसले का स्वागत करना ही होगा। वर्ना संविधान बचाने का उसका दावा सियासी ही समझा जायेगा। उधर, इसकी भी पूरी आशंका है कि इस फैसले से कुछ मुस्लिम संगठन असहमति जताने के साथ उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दें।दो सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ और बड़ी बैंच बनाये जाने की भी मांग उठ सकती है, लेकिन इस मुद्दे पर कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों को मोदी सरकार से कोई अपेक्षा नहीं होगी। हो सकता है कि जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता की भी बात कही है उसी को आधार बना कर मोदी सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ जाये। ऐसा इसलिये भी हो सकता है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी इस समय मोदी सरकार पर समान नागरिक संहिता,जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिये दबाव बना रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चार दशक के बाद जिस तरह से अपने 1985 के आदेश को जीवंत किया है, उसका नुकसान कांग्रेस को भी उठाना पड़ सकता है। क्योंकि जब शाहबानों को गुजारा भत्ता नहीं दिये जाने की बात चलेगी तो राजीव गांधी सरकार का भी नाम आयेगा,जिन्होंने मुस्लिम महिलाओं को लम्बे समय तक गुजारा भत्ता देने से महरूम रखा था।

नेता प्रतिपक्ष बोलते जरूर हैं परन्तु चिंतन नहीं करते!

मा. मोहन लाल

यह राहुल गांधी का दुर्भाग्य है कि सदन के बाकी सदस्य उन्हें हंसी में ले लेते हैं। सदन में अमित शाह, मोदी जी, ओम बिरला या राजनाथ ने तेवर तो जरूर दिखाए परन्तु नेता प्रतिपक्ष बोलते ही चले गए। लगता है कि आगामी संसद सत्रों में भी उनके बोलने का क्रम इसी प्रकार का रहेगा। मैंने प्रतिपक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण अडवानी, मधुलिमये और राम मनोहर लोहिया को सुना है। उनके तथ्यों और डैरावाइज के वार्तालाप सत्तापक्ष को परेशान कर देते थे। सदन में नेता प्रतिपक्ष को 'कैबिनेट मंत्री' पद की हर सुविधा उपलब्ध रहती है। केंद्र में चीफ सैक्रेटरी और विभागों के सैक्रेटरी को उन्हें सत्ता पक्ष की कमियों को उजागर करने के तथ्य उपलब्ध करवाने ही पड़ते हैं। नेता प्रतिपक्ष के आई.ए.एस. रैंक का एक सचिव भी सत्ता पक्ष उपलब्ध करवाता है। राहुल गांधी संसद के पहले सत्र में ही एक्सपोज हो गए। वह अपनी बचकाना छवि से प्रतिपक्ष के नेता के रूप में भी अपना प्रभाव नहीं छोड़ सके। लगता है कि राहुल गांधी लाड़-प्यार के झूले से अभी बाहर ही नहीं निकले।हिंदू, हिंदुइज्म या हिंदुत्व की एक नई आलोचना में फंस गए। लगता यह भी है कि नेता प्रतिपक्ष ने 'हिंदू' शब्द के उदार, व्यापक और सर्वमान्य रूप का चिंतन ही नहीं किया और हिंदू देवी-देवताओं के चित्र सदन में दिखा-दिखा कर यही कहा कि हिंदू 'नफरत, नफरत और सिर्फ नफरत' ही फैलाता है। यही नहीं नेता प्रतिपक्ष ने हिंदू आस्था के प्रतीक 'राम' को भी इसी नफरत के मुहावरे से जोड़ दिया। परिणाम पत्थरबाजी, धरने, जलूस और अग्नि लगाने तक पहुंच गया। मैं हिंदू समाज से विनती करता हूं कि इटली की संस्कृति में पले-बढ़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को माफ कर दें क्योंकि उन्होंने हिंदू शब्द की व्यापकता और विशालता के बारे पढ़ा ही नहीं। सुना है उन्होंने यूरोप के भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों से बड़ी-बड़ी डिग्रियां हासिल की हैं। डिग्रियां हासिल कर लेने से कोई विद्वान थोड़े ही बन जाता है? मैंने स्वयं में न जाने कितनी डिग्रियां प्राप्त की हैं परन्तु हूं तो अज्ञानी, मूर्ख ही न? सदन में उनके दिए भाषण से लगता है कि उन्होंने जीवन में अभावों का सामना नहीं किया। मौत के साए में पढने-लिखने, बोलने और बड़े होने वाले बच्चों का स्वभाव भी दूसरों से नफरत करने वाला हो जाता है। शायद प्रसुप्त मन में राहुल गांधी को यही विचार घर कर गया हो कि सिर्फ मैं और मेरा ही धर्म सच्चा है। बाकी सब धर्म, सम्प्रदाय और पथ नफरत की दुकान चलाते हैं और राहुल गांधी ही सिर्फ ऐसे नेता हैं जो प्यार बांटते हैं? राहुल गांधी आज नेता प्रतिपक्ष हैं। कल उन्हें सत्ता में आना है। उनकी एक 'शैडो' कैबिनेट है अत- अध्ययन चिंतन, मनन तो उन्हें करना ही होगा, और न सही 'हिंदू शब्द' की पवित्रता और व्यापकता का आकलन तो करना चाहिए। मैं, जितनी मेरी बुद्धि है 'हिंदू शब्द' का मूल रूप हिंद समाचार ग्रुप के माध्यम से लोगों की सेवा में प्रस्तुत करना चाहता हूं। 'हिंदू शब्द' पर विद्वानों ने ग्रंथ के ग्रंथ लिख दिए हैं परन्तु फिर भी 'हिंदू शब्द' का वास्तविक स्वरूप लोगों की समझ से परे है। 'हिंदू शब्द' पर ही मेरी अपनी लाइब्रेरी में 5-7 पुस्तकें तो होंगी ही परन्तु मुझे शक है कि मैं 'हिंदू शब्द' को लोगों को समझा सकूं। हां, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मनीषी लोग अवश्य हिंदू शब्द की व्यापकता समझा सकते हों? हिंदू न कोई धर्म है न कोई सम्प्रदाय या पंथ है। यह तो एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों की एक 'जीवन पद्धति' है। जीने का एक ढंग है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी हिंदू को एक जीवन पद्धति कहा है। हिंदू वह है जो सबको अपना समझता है। सारा विश्व हिंदू का है। हिंदू का कोई सम्प्रदाय या कोई एक 'देवदूत' या 'पैगम्बर' नहीं। हिंदुओं में किसी एक देवता की पूजा नहीं होती। हिंदू किसी एक दार्शनिक विचार पद्धति में विश्वास नहीं रखता। हिंदुओं में किसी एक सम्प्रदाय का अनुष्ठान नहीं होता। हिंदू एक अमर शब्द है। प्राचीन जातियां, असभ्य और अर्द्धसत्य लोग, सभ्य द्रविड़ और वैदिक आर्य हिंदू थे क्योंकि वे एक मातृभूमि की संतान थे। देवी-देवताओं की पूजा करने वाले अलग-अलग पूजा पद्धतियों का पालन करने वाले सारे हिंदू हैं। हिंदू ने कभी भी किसी विचार, सिद्धांत या चिंतन को असत्य नहीं कहा है। हिंदू सबका मंगल और कल्याण मांगता है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

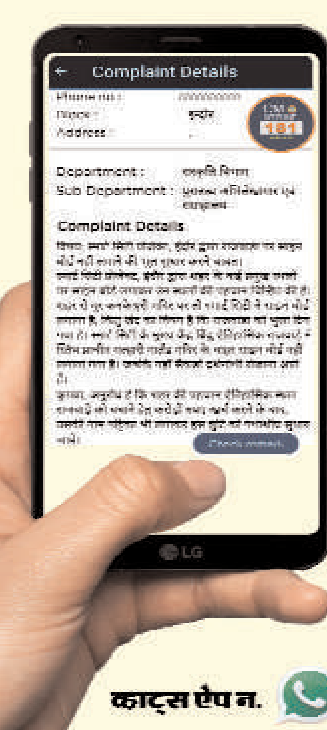

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्सएप करें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय एसी उद्योग का आकार अगले चार साल में दोगुना होने का अनुमान : ब्लू स्टार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग लगभग 27,500 करोड़ रुपए (3.3 अरब डॉलर) का है और इसके अगले चार साल में दोगुना होने की संभावना है। एसी कंपनी ब्लू स्टार ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्लू स्टार के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) वीर एस आडवाणी ने कहा कि भारतीय एचवीएसीएंडआर (हीटिंग, वेंटिलेटिंग, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेटिंग) उद्योग तेजी से वृद्धि के लिए तैयार है। यह वृद्धि घरेलू एसी की कम पहुंच और उच्च व्यय योग्य आय वाले मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, विशेष रूप से तीसरी, चौथी और पांचवीं श्रेणी के शहरों के बाजारों से आने वाले उपभोक्ताओं जैसे कारकों से प्रेरित होगी। आडवाणी ने 2023-24 की सालाना रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों से कहा, भारतीय एसी उद्योग (घरेलू और वाणिज्यिक दोनों) का वर्तमान मूल्य लगभग 27,500 करोड़ रुपए है, जो अगले चार वर्षों में दोगुना होने का अनुमान है। कंपनी अपने भविष्य के व्यावसायिक परिदृश्य के बारे में आशावादी है, क्योंकि मौसम का रुझान बदल रहा है, जिससे गर्मियां बढ़ रही हैं, तथा आवासीय और वाणिज्यिक एयर-कंडीशनिंग में एक नया और मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो भी सामने आया है। आडवाणी ने कहा कि ब्लू स्टार ने अपनी मुख्य क्षमताओं को मजबूत करने, नई क्षमताएं हासिल करने, नई प्रक्रियाएं बनाने और नवीन प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए तीन वर्षीय रणनीतिक योजना शुरू की है।

जून में लगा महंगाई का झटका, थोक महंगाई दर बढ़कर 3.36 प्रतिशत पर आई

नईदिल्ली, एजेंसी। जून की थोक महंगाई दर का आंकड़ा आ गया है और ये 3 फीसदी के पार निकल गई है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से जून में थोक महंगाई दर 16 महीने के हाई पर पहुंच गई है। थोक महंगाई दर (होलसेल महंगाई) पिछले महीने 3.36 फीसदी पर आ गई है, मई 2024 में ये 2.61 फीसदी पर रही थी। खाने-पीने के सामान की दर मुख्य रूप से बढ़ी है जिसका असर थोक महंगाई दर पर आया है। जून में खाद्य मंहगाई दर बढ़कर 8.68 फीसदी पर आई है जो कि मई में 7.40 फीसदी पर थी। प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर जून में 8.80 फीसदी की दर से बढ़ी है जबकि इससे पिछले महीने ये 7.20 फीसदी पर रही थी। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.35 प्रतिशत से घटकर 1.03 प्रतिशत रही। मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई भी बढ़ी है और ये जून में 1.43 फीसदी पर रही। मई 2024 में ये आंकड़ा 0.78 फीसदी पर रहा था। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

बजट में किसानों के लिए हो सकते हैं कई बड़े ऐलान, बढ़ सकती है केसीसी लिमिट

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई 2024 (मंगलवार) को चालू वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से आम जनता के साथ-साथ देश के अन्नदाताओं यानी किसानों को भी काफी उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि इस आम बजट में देश के अन्नदाताओं को बड़ी सौगात मिल सकती है। सूत्रों की माने तो सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। साथ ही मोदी सरकार किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी बढ़ाने समेत कई रियायतों की भी घोषणा कर सकती है। दरअसल पार्टी से जुड़े संगठन और केंद्र सरकार को समर्थन दे रहे राजनीतिक दल भी चाहते हैं कि सरकार अन्नदाताओं के हित में बड़े फैसले ले। इससे देशभर के किसानों में यह साफ संदेश जाएगा कि सरकार कृषि को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। आइए जानते हैं बजट 2024 को लेकर किसानों की सरकार से क्या-क्या उम्मीदें हैंज.

क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने की उम्मीद

फिलहाल किसानों को क्रेडिट कार्ड पर 3 लाख रुपए का कृषि लोन 7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिल रहा है, जिसमें सरकार 3 फीसदी की सब्सिडी देती है। यानी किसानों को यह लोन 4 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिलता है। वहीं बढ़ती महंगाई के साथ-साथ कृषि लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार 3 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 4 से 5 लाख रुपए कर सकती है।

टैक्स दरों में कटौती संभव

बता दें कि केंद्र सरकार कृषि उपकरणों की खरीद पर जीएसटी लगाती है, जिसका किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार कृषि उपकरणों पर जीएसटी हटाए या फिर किसानों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ दे। सूत्रों की माने तो मोदी सरकार बजट में कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में भी कटौती कर सकती है या फिर ज्यादा सब्सिडी देने का ऐलान कर सकती है। सूत्रों की माने तो आम बजट 2024 में सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। दरअसल मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 6,000 रुपए दे रही है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई और किसानों की बढ़ती लागत को देखते हुए इसे बढ़ाकर 8,000 रुपए कर सकती है। फिलहाल केंद्र सरकार किसानों के खाते में 2000 रुपए की 3 किस्त ट्रांसफर करती है। पिछले महीने सरकार ने पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की थी। मोदी सरकार की इस योजना का लाभ देशभर के 11 करोड़ से ज्यादा जरूरतमंद किसानों को मिल रहा है।

बजट 2024: नई-तकनीक का इस्तेमाल

देश में हर क्षेत्र में नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन कृषि क्षेत्र में अभी नई तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं हो रहा है। बजट में कृषि क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी को लेकर कोई घोषणा होने की संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कोई नया प्रोग्राम शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने फरवरी में पेश अंतरिम बजट में चालू वित्त वर्ष के लिए कृषि मंत्रालय का बजट बढ़ाया था। केंद्र सरकार ने कृषि मंत्रालय के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ऐसे में 23 जुलाई को पेश होने वाले आम बजट में किसानों की माली हालत सुधारने के लिए सरकार की ओर से कुछ घोषणा हो सकती है।

बासमती चावल का निर्यात 13 फीसदी बढ़ा, दो महीने में विदेश से आए 103.7 करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय बासमती चावल की मांग विदेश में लगातार बढ़ रही है। हालांकि, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में मामूली गिरावट देखने को मिली है। एग्रीकल्चरल एंड प्रॉसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के आंकड़े के मुताबिक, भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-मई अवधि में 103.7 करोड़ डॉलर के बासमती चावल का निर्यात किया। यह 2023-24 की समान अवधि के 91.7 करोड डॉलर की तुलना में 13.11 फीसदी अधिक है।

दरअसल, घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से चावल के निर्यात पर लगाए प्रतिबंधों का असर अन्य किस्मों पर पड़ा है। यही वजह है कि अप्रैल-मई में गैर-बासमती चावल का निर्यात सालाना आधार पर 13.35 फीसदी घटकर 91.9 करोड़ डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात सालाना आधार पर मामूली 0.49 फीसदी घटकर 433.7 करोड़ डॉलर रह गया। 2023-24 की समान अवधि में निर्यात का यह आंकड़ा 435.8 करोड़ डॉलर रहा था।

19 जुलाई को दोबारा होगी सीयूईटी यूजी परीक्षा, एनटीए ने जारी किया नोटिस

शिक्षा। सीयूईटी यूजी रि-टेस्ट और रिजल्ट को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने प्रभवित छात्रों के दोबारा परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एनटीए ने 14 जुलाई को एक नोटिस जारी किया है। जिसके मुताबिक 19 जुलाई, 2024 को पुनर्परीक्षा आयोजित होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसमें करीब 1,000 छात्र शामिल होंगे। 19 जुलाई को ऑनलाइन यानि सीबीटी मोड में एग्जाम आयोजित होंगे। एनटीए प्रभावित छात्रों को विषय कोड की जानकारी देते हुए ईमेल के जरिए नोटिस भेजा है। बता दें कि 15 मई से 29 मई के बीच सीयूईटी यूजी परीक्षा का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया था।

नटीए जारी करेगा नए एडमिट कार्ड

प्रभावित छात्र पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले हैं। उनके लिए नए एडमिट कार्ड जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://e&ams.nta.ac.in/CUET-UG/ पर जाकर प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए एप्लीकेशन नंबर और जन्मतिथि का उपयोग करना होगा। एडमिट कार्ड में परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश उपलब्ध होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीयूईटी यूजी के परिणाम 22 जुलाई तक घोषित हो सकते हैं। इस संबंध में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

एमपी में असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती, 4 अगस्त को होगी परीक्षा

म.प्र.। सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों को भरने के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने परीक्षा का दूसरा चरण रखा है। आठ विषयों में सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 अगले महीने है, जिसमें 744 पद हैं।

करीब तीस हजार से ज्यादा उम्मीदवार इसमें शामिल होंगे। 4 अगस्त को होने वाली परीक्षा प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों में करवाई जाएगी। आयोग ने जल्द ही एडमिट कार्ड जारी करने की बात कही है। 25 जुलाई बाद एडमिट कार्ड डाउनलोड किए जा सकेंगे। दिसंबर 2022 में सहायक प्राध्यापक परीक्षा को लेकर आयोग ने विज्ञापन निकाला था, लेकिन उसमें शासन के निर्देश के बावजूद अतिथि विद्वानों को परीक्षा में आवेदन करने का मौका नहीं दिया। अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय की शरण ली। सवा साल से अधिक प्रकरण न्यायालय में चला, जिसके बाद वंचित वर्ग को आवेदन करने के लिए आयोग को दोबारा लिंक खोलना पड़ी। पहले चरण की परीक्षा 9 जून को करवाई गई। आठ विषयों के 826 पदों पर 33 हजार ने परीक्षा दी। अब आयोग दूसरे चरण की परीक्षा 4 अगस्त को करवाने जा रहा है। इस बार तीस हजार उम्मीदवार परीक्षा में शामिल होंगे। अधिकारियों के मुताबिक 8 से 10 जिलों में परीक्षा होगी। इसके लिए केंद्र तय होना बाकी है। यह प्रक्रिया अगले कुछ दिनों में पूरी की जाएगी। उसके बाद एडमिट कार्ड दिए जाएंगे।एमपीपीएससी ने दिसंबर 2022 में आयोग ने टैक्सेशन असिस्टेंट का विज्ञापन निकाला था। 100 पदों के लिए 9 मई से 8 जून 2023 के बीच परीक्षा करवाई। लिखित परीक्षा में सिलेक्ट हुए लोगों के लिए इंटरव्यू रखे गए हैं। आयोग ने 22 से 30 जुलाई के बीच उम्मीदवारों को बुलाया है। इंटरव्यू की प्रोसेस से संबंधित गाइडलाइन जारी हो गई है। घंटे भर पहले आयोग कार्यालय पहुंचना होगा। जहां उन्हें पहले अपने मूल दस्तावेजों की जांच करवाना है। उसके बाद पैनल के सामने इंटरव्यू देना होगा।

BSF से लेकर बैंक सहित अन्य विभागों के अलग-अलग पदों के लिए निकली वैकेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने बैंकिंग सेक्टर सहित अन्य विभागों में अलग-अलग पदों के लिए वैकेंसी निकली है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि आप सरकारी नौकरी करने का सपना देख रहे हैं तो आप योग्यता के अनुसार इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। **बैंक ऑफ महाराष्ट्र:** बैंक ऑफ महाराष्ट्र में विभिन्न पदों के लिए भर्ती निकाली गई है। यह अलग-अलग विभागों में होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 26 जुलाई है। बैंक में 195 पदों के लिए वैकेंसी निकाली गई है। आप आधिकारिक वेबसाइट पर अधिक जानकारी देख सकते हैं। हालांकि इसके लिए आवेदक को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। जिसका एड्रेस जनरल मैनेजर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एचआरएम विभाग, हेड ऑफिस, 'लोक मंगल' 1501, शिवाजी नगर, पुणे - 411005 हैं।

बीएसएफ: बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स में पैरामेडिकल स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन 25 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। कुल 99 पदों के लिए भर्ती निकाली गई है। आवेदक आधिकारिक वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर अधिक जानकारी देख सकते हैं। आवेदक को एक लाख रुपये से अधिक सैलरी मिलेगी।

इंडियन बैंक: इंडियन बैंक ने अप्रेंटिस के 1500 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। आवेदक 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदन इंडियन बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट indianbank.in पर विजिट कर सकते हैं।

एचएलएल: एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड में विभिन्न पदों के लिए 1 हजार 217 पदों पर वैकेंसी निकाली हैं। 17 जुलाई तक आवेदन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आप life-carehell.com पर विजिट कर सकते हैं। इसके लिए भी आपको ऑफलाइन आवेदन करना होगा। आप इस एड्रेस पर आवेदन कर सकते हैं। डीजीएम (एचआर), एचएलएल भवन, 26/4 वेलाचेरी – तांबरम मेन रोड़, पल्लीकरनई, चेन्नई - 600100।

2 के शेयर में तूफानी तेजी, खरीदने की मची लूट, कंपनी ने किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड के शेयर कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर अपने पिछले बंद प्राइस 2.25 रुपये से 1.3 प्रतिशत बढ़कर 2.28 रुपये प्रति शेयर हो गए। बता दें कि यह इसका 52 वीक का नया हाई भी है। जबकि इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर 0.98 रुपये है। शेयरों में आज की तेजी के पीछे कंपनी का ऐलान है। दरअसल, श्रेष्ठ फिनवेस्ट ने एक्सचेंज को सूचित किया कि कंपनी ने मेसर्स के साथ एक फैसिलिटी एग्रीमेंट किया है। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने विकास को बढ़ावा देने के लिए फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। दोनों कंपनियों ने एक फैसिलिटी एग्रीमेंट के जरिए अपने सहयोग को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता उनके मौजूदा व्यापारिक संबंधों पर आधारित है और इसका उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी और वाटर कंजर्वेशन में निवेश में तेजी लाना है। समझौते की शर्तों के तहत, श्रेष्ठ फेलिक्स को एक नए प्लांट के निर्माण में सहायता के लिए दो फेज में 50 मिलियन रुपये तक फंड देगा। यह प्लांट रिन्यूएबल एनर्जी, स्वच्छ जल और वाटर रिसाइकल टेक्नोलॉजी पर फोकस करेगा और यह आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दिए गए ऑर्डर को पूरा करेगा।

बता दें कि हाल ही में श्रेष्ठ फिनवेस्ट राइट्स इश्यू की तारीख तय की गई है। राइट्स इश्यू 4 जुलाई को खुलेगा और 18 जुलाई, 2024 को बंद होगा। कंपनी 240,000,000 इक्विटी शेयरों की पेशकश करेगी। श्रेष्ठ फिनवेस्ट राइट्स इश्यू का साइज 48 करोड़ रुपये होगा। इलिजिबल रेशियो 12:29 है। बता दें कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड, जिसका मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु में है। कंपनी सिक्योरिटीज, चल और अचल संपत्तियों, फाइनेंस, किराया खरीद और लीज पर पैसा उधार देती है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में लिस्टेड हैं।

NEET UG 2024 Row: Supreme Court issues notices on NTA's pleas seeking transfer of HC cases

The Supreme Court on Monday issued notices to private parties on a batch of pleas filed by the National Testing Agency (NTA) seeking transfer of cases pending against it in various high courts on the NEET-UG row to the top court to avoid multiplicity of litigations. Earlier, a vacation bench had on June 14 issued notices to the parties on similar pleas by the NTA.

The NTA had submitted that several pleas seeking cancellation of the National Eligibility-cum-Entrance Test–Under Graduate (NEET-UG), 2024 over allegations of question paper leak and other malpractices are pending in several high courts.

Advocate Vardhaman Kaushik, appearing for the NTA, urged a bench comprising Chief Justice D Y Chandrachud and Justice JB Pardiwala on Monday that the fresh batch of pleas be also transferred to the apex court as they pertained to the same issue.

"Issue notice and tag," the bench said, adding that these pleas will also be taken up together with the pending petitions on the NEET-UG row on July 18.

The NTA also urged the bench to stay the pending proceedings in various high courts. The CJI said once the Supreme Court has issued notices on transfer petitions, the high courts, procedurally, do not proceed with the hearing.

The bench asked the NTA counsel to bring this to the notice of the high courts concerned. The top court was hearing as many as five petitions seeking transfer of cases from various high courts to it.

Earlier, the bench had on July 11 adjourned till July 18 the hearing on a clutch of other petitions seeking cancellation, re-test and probe into alleged malpractices in the conduct of NEET-UG, 2024 as the responses of the Centre and the NTA were not received by some parties.

The bench had also said it has received a status report from the CBI on the progress made in the probe into alleged irregularities in the conduct of the exam.

India Post GDS recruitment 2024: Apply for 44228 vacancies till August 5

The India Post has started inviting applications for the recruitment of Gramin Dak Sevaks (GDS) posts on the official website. Applicants who are interested in applying for the above-mentioned posts can do so by visiting the official website,i.e., indiapostgdsonline.gov.in. According to the notification, recruitment for Gramin Dak Sevak will be done in Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Jharkhand, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Northeast, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, Telangana, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal.

NUMBER OF VACANCIES

As per the information, this recruitment drive would fill upto 44,228 Gramin Dak Sevaks (GDS) posts. The last date to apply for the same is August 5, 2024.

ELIGIBILITY CRITERIA

Candidates who have completed class 10 with mandatory mathematics and English are eligible to apply for the Gramin Dak Sevak posts. Applicants must also be able to ride a bicycle and be between 18 and 40 years old, with age relaxation provided for reserved categories. The application fee is Rs 100, and selection will be based on Class 10 results.

STEPS TO APPLY FOR INDIA POST GDS RECRUITMENT

Visit the official website at indiapostgdsonline.gov.in Click on the India Post Gramin Dak Sevaks (GDS) recruitment 2024 link available on the homepage.

Complete the registration fee, Upload the required documents, Visit the official website at indiapostgdsonline.gov.in, Click on the India Post Gramin Dak Sevaks (GDS) recruitment 2024 link available on the homepage, Complete the registration fee, Upload the required documents.

Candidates are advised to keep a check here or on the official website for more updates and information related to recruitment 2024.

सिंपल कुर्ती के साथ बेस्ट रहेंगी ट्रेंडी इयररिंग्स की ये डिजाइंस

अगर आप सिंपल कुर्ती पहन रही हैं तो इस कुर्ती के साथ आप ये लेटेस्ट डिजाइंस वाली इयररिंग्स वियर कर सकती हैं।

इयररिंग्स आपके लुक को कम्पलीट करने का काम करते हैं। इसी वजह से महिलाएं अपने आउटफिट के साथ वियर करने के लिए इयररिंग्स बड़े ही सोच समझ कर लेती हैं। वहीं अगर आप सिंपल कुर्ती वियर कर रही हैं और इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड है कि इस तरह की कुर्ती के साथ किस तरह का इयररिंग्स पहने तो इस आर्टिकल की मदद से आप एक परफेक्ट इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं।

कुंदन झुमकी डिजाइन

कुर्ती के साथ आप कुंदन झुमकी वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमकी आप किसी खास मौके पर अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह झुमकी आपको आसानी से बाजार या ऑनलाइन प्लेटफार्म में मिल जाएंगी। इन झुमकी में मिरर वर्क किया गया है साथ ही इन झुमकी में मोती भी लगाए गए हैं। इस तरह झुमकी पस्टेल कलर में मिल जाएंगी जिन्हें आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमको आप कई सारे डिजाइन और कलर में 200 से 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

पर्ल इयररिंग्स

यह पर्ल इयररिंग्स इन दिनों काफी ट्रेंड में है और इस तरह इयररिंग्स भी आप अपने सिंपल कुर्ती के साथ वियर कर सकती हैं। यह पर्ल इयररिंग्स आपको कई सारे डिजाइन में मिल जाएंगे जिन्हें आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन दोनों ही जगहों से खरीद सकती हैं इस पर्ल इयररिंग्स में सिर्फ एक मोती हैं जिसकी वजह से पर्ल इयररिंग्स काफी खूबसूरत नजर आती है और इस तरह के पर्ल इयररिंग्स को आप 300 तक की रेंज में खरीद सकती हैं।

चांदबाली इयररिंग्स

यह चांदबाली इयररिंग्स भी आप अपने आउटफिट के साथ मैच कर वियर कर सकती हैं। जहां ये चांदबाली इयररिंग्स सिंपल कुर्ती के साथ स्टाइल की जा सकती है तो वहीं ये चांदबाली इयररिंग्स गोल चेहरे वाली महिलाओं पर भी बेस्ट लगेंगी। यह चांदबाली इयररिंग्स आपको आसानी से मार्केट में मिल जायेंगी साथ ही ऑनलाइन भी आप इस तरह की इयररिंग्स भी आप इस तरह की इयररिंग्स 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

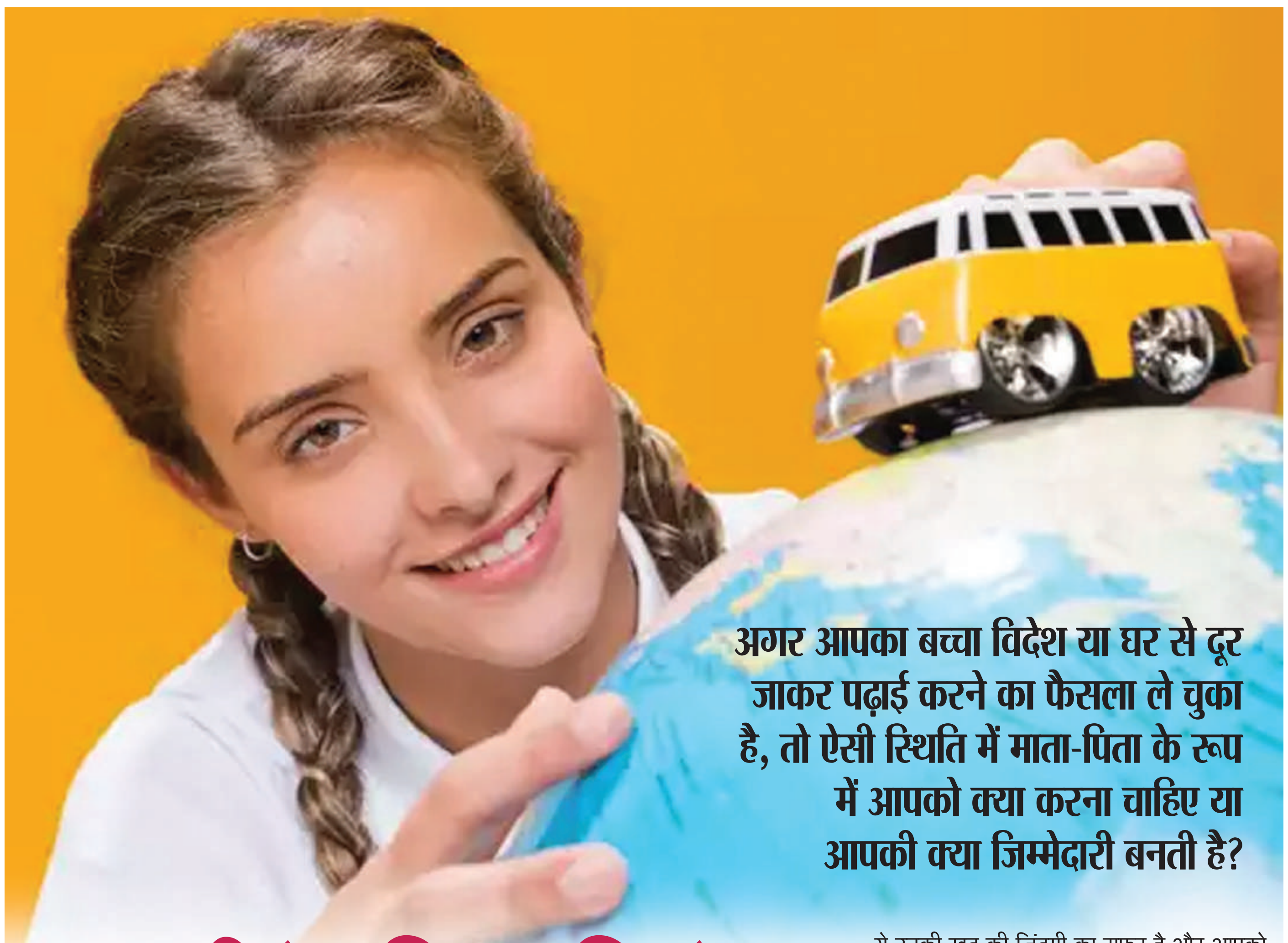

अगर आपका बच्चा विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करने का फैसला ले चुका है, तो ऐसी स्थिति में माता-पिता के रूप में आपको क्या करना चाहिए या आपकी क्या जिम्मेदारी बनती है?

पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहता है बच्चा? मां-बाप कैसे लें सही फैसला

कई माता-पिता इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर भेजें या नहीं। यह सफर हमारे जीवन में कई बदलाव लाता है। यह भावनात्मक रूप से एक झूले की तरह होता है जिसमें उत्साह, चिंता और अपार विकास के अवसर होते हैं। अपने बच्चे को दूर भेजना आसान काम नहीं होता है बल्कि इसके लिए बहुत सारा भरोसा, साहस और गहन शोध की जरूरत होती है। कई पेरेंट्स अपने बच्चे को पढ़ाई या नौकरी के लिए घर से दूर भेज देते हैं। कभी-कभी तो यह काफी सुहावना लगता है लेकिन इसके साथ परेशानियां भी हैं। इसमें अवसर हैं, तो बच्चे को लेकर डर भी बना रहता है। ऐसे में एक भरोसा ही है जिसके दम पर पेरेंट्स अपने बच्चे को अपने आप से और घर से इतना दूर भेज देते हैं।

क्या होता है भरोसा करने का फायदा

आप अपने बच्चे के विदेश में पढ़ाई करने के फैसले पर भरोसा करते हैं और उनके निर्णय पर विश्वास जताते हैं। इससे बच्चे अपनी जर्नी में अधिक आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करते हैं। माता-पिता को समझना चाहिए कि उनका डर बच्चे के उत्साह को कम न करे और उन्हें यह साहसिक कदम उठाने दें।

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना और उन्हें बताना कि आप उस पर भरोसा करते हैं, उनके आत्मविश्वास और सशक्तिकरण में बड़ा योगदान दे सकता है। इससे आप अपने बच्चे को अनंत अवसरों के सागर में डुबकी लगाने का मौका देते हैं।

बच्चे की च्वॉइस

हो सकता है कि आपको अपने बच्चे का विदेश में पढ़ने का फैसला पसंद न आए फिर भी आप उनका समर्थन करें। हो सकता है वो ऐसे देश में जाना चाहें, जिसके बारे में आप ज्यादा नहीं जानते हैं या फिर ऐसा कोर्स चुनें जो आपको थोड़ा अजीब लगे। उनके फैसलों को मान्य समझें क्योंकि उन्होंने शायद इस पर काफी सोच-विचार किया होगा। याद रखें, ये उनकी खुद की जिंदगी का सफर है और आपको उनका साथ देना चाहिए।

इमोशनल सपोर्ट

विदेश में पढ़ाई करने का सपना आपके बच्चे के लिए रोमांचक जरूर होगा, लेकिन कभी-कभी थोड़ा डरावना भी हो सकता है। ऐसे में उन्हें आपके भावनात्मक सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। उनकी बात सुनने के लिए हमेशा मौजूद रहें, उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं। अपने शब्दों और विश्वास से उनका हौंसला बढ़ाएं।

कनेक्ट रहना

बच्चे का दूर जाना भले ही जरूरी हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप उनका साथ छोड़ दें। उनके साथ जुड़े रहना और मजबूत रिश्ता बनाए रखना जरूरी है। इससे उन्हें दूर रहते हुए भी भावनात्मक सहारा मिलेगा और वो आत्मनिर्भर बनने में सक्षम होंगे। आधुनिक तकनीक ने तो इसे और भी आसान बना दिया है। आप वीडियो कॉल के जरिए उनसे बात कर सकते हैं और उनसे जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। साथ ही, आप उनकी छुट्टियों में उनसे मिलने भी जा सकते हैं।

रिसर्च में साथ देना

बेशक, रिसर्च में आपके बच्चे को ही आगे रहना चाहिए, लेकिन इसमें आपका शामिल होना दोनों के लिए ही राहत का काम कर सकता है। आप उनके साथ कॉलेजों, प्रोग्रामों और जगहों के बारे में रिसर्च कर सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको पता चलेगा कि उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं, बल्कि आप उन्हें अपना ज्ञान और सलाह भी दे सकते हैं।

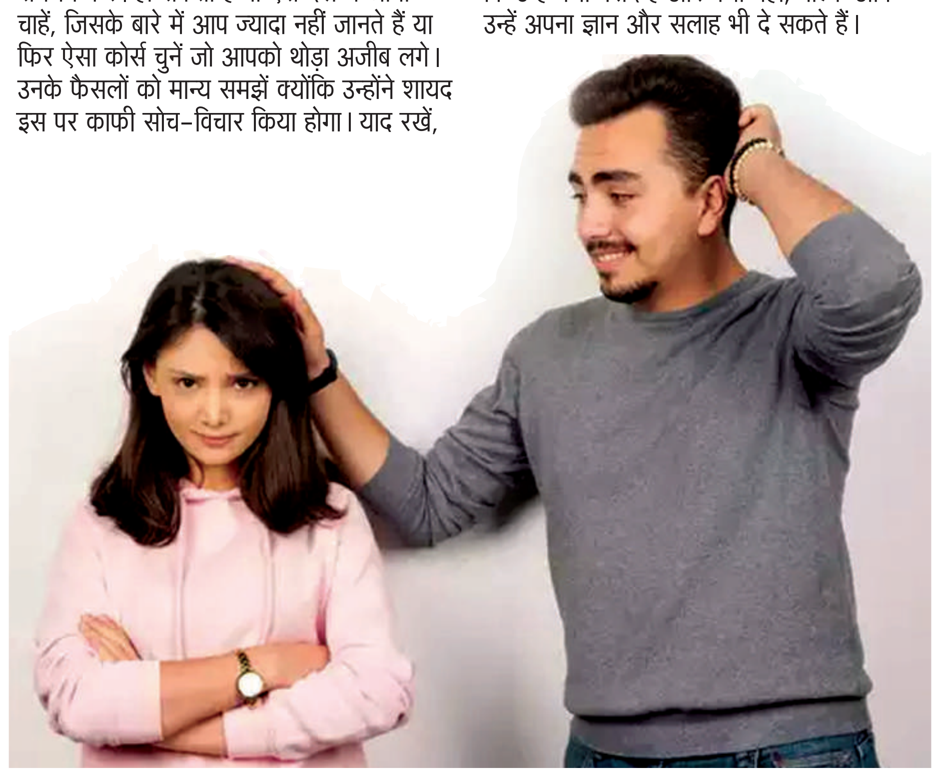

बारिश के दौरान इन तरीकों से पाएं कीड़े मकोड़े से छुटकारा

बारिश के मौसम में बल्ब या रोशनी करते ही कीड़ों का झुंड टूट पड़ता है। घर में कीट-पतंगे के आने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मानसून का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में कई प्रकार की समस्या पैदा हो जाती है जैसे दीवारों पर नमी आना, कपड़ों से बदबू, अनाज में सीलन आ जाना इत्यादि। इन्हीं दिक्कतों में एक और परेशानी है- रोशनी करते ही कीड़ों का आना। बारिश के दौरान रात के वक्त बल्ब जलाने पर घर के अंदर कीट-पतंगे घुस आते हैं। इस स्थिति में खाना बनाने से लेकर किसी अन्य काम को करना दुश्वार हो जाता है। इन कीड़ों की संख्या इतनी ज्यादा होती है कि इन्हें बाहर निकालना काफी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो ये बरसाती कीड़े बल्ब में चिपके-चिपके ही मर जाते हैं। अगर आप इन बरसाती कीड़ों से बचना चाहते हैं ये घरेलू उपाय बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप बरसाती कीट-पतंगों से निजात पा सकते हैं।

अच्छे से करें सफाई

बेहतर रोशनी के लिए हम सभी कमरे में लाइट लगाने के साथ-साथ बालकनी से लेकर खिड़की और मुख्य दरवाजे के बाहर भी बल्ब लगाते हैं। कीड़ों से बचने के लिए बल्बों के अगल-बगल के हिस्से की सफाई करना जरूरी है। मानसून शुरू होते ही आप इस हैक को अपना सकती हैं। इसके लिए एक बाल्टी में एक चौथाई पानी लें। अब इसमें नींबू का रस और 1 चम्मच सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस घोल की मदद से खिड़की और दरवाजे की अच्छे से क्लीनिंग करें। इसके साथ ही ट्यूब लाइट को नम कपड़े की मदद से पोंछे। इस तरकीब से कीड़ों का आना कम हो जाएगा। मानसून के दौरान आने वाले कीड़ों से बचने के लिए आप घर पर इंसेक्ट फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। इसको तैयार करने के लिए एक बर्तन में पानी लें। अब इसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा, यूकेलिप्टस, सिट्रोनेला ऑयल और लेमन जूस डालकर मिक्स करें। अब इस लिक्विड का उन जगहों पर छिड़काव करें जहां पर बल्ब जलता है।

ये हैक्स भी है कारगर

बल्ब पर लगने वाले कीट-पतंगों को दूर करने के लिए आप किसी पेड़ की पत्ती लगी डाल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए हल्के पौधे जैसे कनेर की डाल का उपयोग कर सकती हैं। इस हैक को अपनाने के लिए सबसे पहले डाल की एक टहनी तोड़कर उसे बल्ब के ऊपर फंसा दें। इसके बाद बल्ब जलाए। ऐसा करने से घर के अंदर कम आएंगे।

नीम के तेल का कर सकती हैं उपयोग

कीड़ों को दूर भगाने के लिए आप नीम के तेल का यूज कर सकती हैं। इसके लिए नीम के तेल को स्प्रे बोतल में भरकर उसका छिड़काव करें।

घर के बाहर लाइट जलाएं

घर के अंदर कीड़े को कम करने के लिए बाहर की लाइट जलाएं। यह उपाय अंधेरा होने से पहले करें। ऐसा करने से उड़ने वाले कीड़े घर के अंदर की बजाय बाहर की लाइट की ओर आकर्षित होंगे।

लहसुन से कीड़ों को करें दूर

इस उपाय को इस्तेमाल में लाने के लिए लहसुन का घोल बनाएं। इसके लिए लहसुन के रस और पानी को 1:6 के अनुपात में मिलाएं। आप जिस आकार या क्षेत्र में स्प्रे करना चाहते हैं,उसके आधार पर मात्रा अलग-अलग होगी। बिजली के खतरे से बचने के लिए छिड़काव सावधानी से किया जाना चाहिए।

मानसून के कारण गद्दे से आने लगती है बदबू साफ रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मानसून में घर में आने वाली नमी के कारण हर-जगह से स्मेल आने लगती है, जिसमें बिस्तर से लेकर कपड़े भी शामिल है। गद्दो में बदबू के साथ पूरे मौसम नमी बरकरार रहती है। इस वजह से बिस्तर में कीटाणु पनपने लगते हैं, जो हमें नॉर्मल आंखों से दिखाई नहीं पड़ते हैं। इसकी वजह से रात में सोते वक्त दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह दिक्कत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब घर में छोटे बच्चे हो। ऐसे में बिस्तर को स्मेल फ्री रखना सबसे बड़ा काम होता है। इस आर्टिकल में आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप बिस्तर में आने वाली बदबू को दूर रख सकती हैं।

गद्दे और तकिए से आने वाली बदबू को ऐसे करें दूर मानसून में अक्सर बच्चे अंदर-बाहर करते और झटपट बिस्तर पर चढ़ जाते हैं। ऐसे में उनके पैर हाथ में मौजूद पानी गद्दे और चादर पर लग जाता है और सही धूप न मिल पाने के कारण इनमें से गंध आने लगती है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप चादर के नीचे बड़ी पॉलीथीन बिछाएं। पन्नी नमी को गद्दे तक नहीं पहुंचने देगी।

बिस्तर को हफ्ते में 3 से 4 बार दिखाए धूप

गद्दे को स्मेल फ्री बनाने का सबसे सस्ता और आसान जुगाड़ यह है कि इसे हफ्ते में जितने बार भी धूप दिखे, उसे सुखाएं। इससे मैटर्स में मौजूद नमी खत्म हो जाएगी।

सोडा का करें छिड़काव

गद्दे से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप बेकिंग सोडा का उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले बिस्तर पर विनेगर का स्प्रे करें। सूखने के बाद इसके ऊपर सोडा का छिड़क कर कुछ समय के लिए छोड़ दें। अब कपड़े की मदद से रगड़ते हुए क्लीन करें।

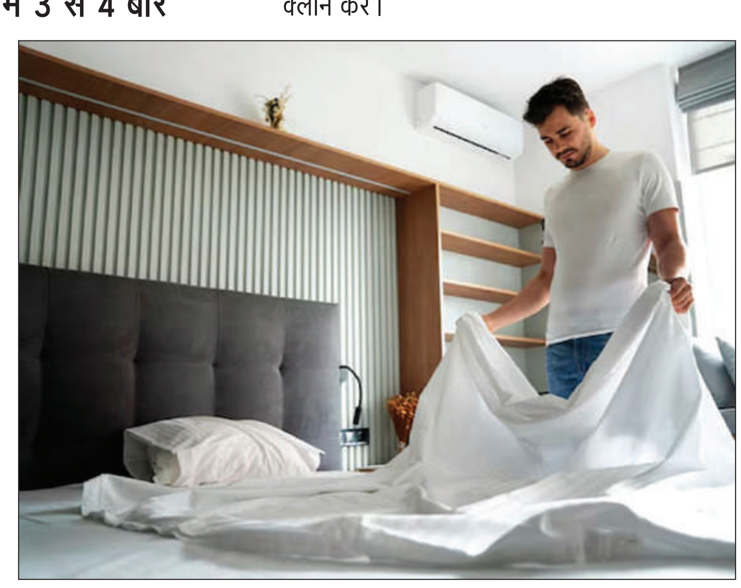

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 16 जुलाई , 2024

स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया और चौथी बार जीता यूरो खिताब

बर्लिन, एजेंसी। सब्स्टीट्यूट मिकेल ओयारज़ाबल ने समय से चार मिनट पहले गोल करके स्पेन को रविवार को इंग्लैंड पर 2-1 की यूरो 2024 की जीत और रिकॉर्ड चौथी बार यूरोपीय खिताब दिलाया, जबकि गैरेथ साउथगेट की टीम लगातार दूसरे फाइनल में हार गई। ओयारज़ाबल ने मार्क कुकुरेला के साथ मिलकर विजयी गोल के लिए तेजी से जवाबी हमला किया, जिससे स्पेन को चैंपियन का ताज पहनाया गया, जिसने टूर्नामेंट में खेले गए सभी सात मैच जीते थे। पहला हाफ दोनों टीमों के प्रयासों के बावजूद गोलरहित रहा। मैच के तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए। बेहद सतर्क पहले हाफ के बाद जहां स्पेन के पास अधिक कब्ज़ा था और उनके विरोधियों को लक्ष्य पर एकमात्र शॉट मिला। दूसरे हाफ में खेल फिर से शुरू होने के बाद स्पेनियों को गतिरोध तोड़ने में केवल दो मिनट लगे। किशोर लेमिन यामल को दाहिनी ओर जगह मिली और साथी विंगर निको विलियम्स को क्रॉस दिया जिन्होंने गोल दागने में कोई गलती नहीं की जिससे इंग्लैंड लगातार चौथे मैच में पिछड़ गया।

इसके बाद स्पेन ने कई हमलों के साथ इंग्लैंड की पहले से ही मजबूत रक्षा पंक्ति को तोड़ दिया। इंग्लैंड के बॉस गैरेथ साउथगेट ने एक घंटे के बाद अप्रभावी हैरी केन के स्थान पर सेमीफाइनल के गोलस्कोरिंग स्थानापन्न नायक ओली वॉटकिंस को भेजकर प्रतिक्रिया व्यक्त की, पिछले महीने के उनके सबसे रचनात्मक खिलाड़ी कोल पामर 10 मिनट बाद उनके साथ शामिल हो गए।

इसका फ़ायदा लगभग तुरंत ही मिला जब जूड बेलिंगहैम ने गेंद को वापस पामर के रास्ते में डाल दिया और स्थानापन्न खिलाड़ी ने 73वें मिनट में 20 मीटर का एक सटीक शॉट लगाकर बराबरी का गोल दाग दिया। इंग्लैंड के प्रशंसकों की भीड़, जिनकी संख्या उनके प्रतिद्वंद्वियों से काफी अधिक थी, में विस्फोट हो गया और रात का पूरा माहौल बदल गया। हालाँकि, स्पेन ने तूफ़ान का सामना किया और 68वें मिनट में आए ओयारज़ाबल ने हमला कर दिया। दूसरे छोर पर अभी भी अधिक नाटक का समय था क्योंकि स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने एक कोने से डेक्लान राइस के हेडर को रोक दिया और दानी ओल्मो ने मार्क गुही के फॉलो-अप को लाइन पर रोक दिया। इंग्लैंड को बराबरी से मिली राहत ज्यादा देर तक टिकी नहीं रह सकी। स्थानापन्न मिकेल ओयारज़ाबल ने निर्धारित समय से चार मिनट पहले स्पेन के लिए विजयी गोल दाग कर इंग्लैंड की उम्मीदों को फिर तोड़ दिया।

विंबलडन

अल्कराज ने दूसरी बार जीता विंबलडन का खिताब

लंदन,एजेंसी। 21 साल के स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच को रविवार को खेले गए विंबलडन फाइनल में मात देकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। विंबलडन में पिछले साल फाइनल में भी नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कराज आमने-सामने थे। लगभग 5 घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में आखिरकार बाजी अल्कराज के हाथ लगी थी। इस बार भी अल्कराज ने पिछले विंबलडन के फाइनल का नतीजा दोहराते हुए जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 से मात दी। यह अल्कराज के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले कार्लोस अल्कराज ने 2022 में यूएस ओपन जीता था। पिछले साल उन्होंने विंबलडन जीता था और इस साल फ्रेंच ओपन का खिताब जीता। इसके साथ ही 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच के लिए साल 2024 में खिताब का सूखा जारी है।

गेम की शुरुआत से ही अल्कराज जोकोविच पर हावी दिखे और इस दौरान जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे। यही स्थिति दूसरे सेट में भी जारी रही। हालांकि, जोकोविच ने तीसरे सेट में वापसी की कोशिश की और 4-5 से पिछड़ने के बाद अगला गेम जीतकर साबित कर दिया कि वे आसानी से हार नहीं मानने जा रहे हैं। उन्होंने तीसरे सेट का छठा गेम भी अपने नाम कर लिया, जिसके बाद तीसरा सेट टाई-ब्रेकर में चला गया। जोकोविच ने टाई-ब्रेकर में भी 3-3 से गेम को बराबर करके युवा अल्कराज को बहुत आसान जीत हासिल नहीं करने दी। हालांकि, तीनों सेट में अल्कराज की निरंतरता देखने लायक थी और उन्होंने टाई-ब्रेकर को 7-4 से जीतकर विंबलडन का दूसरा खिताब अपने नाम किया। इस मैच में अल्कराज ने बैकहैंड का भी शानदार इस्तेमाल करते हुए पेस जेनरेट की और जोकोविच को लगातार बैकफुट पर रखा।

नोवाक जोकोविच ने सात बार विंबलडन खिताब जीते हैं। लेकिन, आठवां खिताब जीतकर रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए। अगर जोकोविच यह खिताब जीत जाते तो विंबलडन के इतिहास में ऐसा करने वाले सबसे ज्यादा उम्र के खिलाड़ी भी बन जाते।

57वां बील इंटरनेशनल शतरंज

प्रज्ञानन्दा और वैशाली करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

बील, स्विट्जरलैंड, एजेंसी। बील शतरंज महोत्सव का 57वां संस्करण इस शनिवार से शुरू हो रहा है, जो दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को आकर्षित करेगा। इस बार दो राउंड रॉबिन ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट होंगे- जीएमटी-मास्टर्स और जीएमटी-चैलेंजर्स, जिनमें प्रत्येक में छह खिलाड़ी भाग लेंगे जो क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबला करेंगे।

इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 8, प्रग्गनानंधा देश का नेतृत्व करेंगे साथ ही 2762 रेटिंग वाले प्रज्ञानन्दा टूर्नामेंट के टॉप सीड होंगे , इस टूर्नामेंट में प्रज्ञानन्दा के अलावा - विन्सेंट केमर (जर्मनी), लियम क्वांग ले (वियतनाम), जावोखिर सिंदारोव (उजबेकिस्तान), हाइक मार्टिरोस्यान (आर्मेनिया) और

अभिमन्यु मिश्रा (यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका) भाग लेंगे।

वहीं प्रज्ञानन्दा की बहन और भारत की नंबर 3 महिला खिलाड़ी आर वैशाली चैलेंजर्स वर्ग में भाग लेंगी चैलेंजर्स वर्ग में जोनास ब्जेरे (डेनमार्क), अलेक्जेंडर डोंचेंको (जर्मनी), सलेम सालेह (यूएई), मार्क एंड्रिया मौरिजी (फ्रांस) ,इहोर सामुनेन्कोव (यूक्रेन) भी भाग लेंगे।

इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे टी-20

टीम इंडिया ने जिम्बावे से 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

हरारे, एजेंसी। भारतीय टीम ने रविवार को हरारे के मैदान में खेले गए 5वें टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से हरा दिया। इस जीत से इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज को 4-1 से जीत लिया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर भारत को

बल्लेबाजी के लिए बुलाया, जहां संजू सैमसन और रियान पराग ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 168 रन का लक्ष्य देकर मुकेश कुमार और शिवम दुबे की शानदार गेंदबाजी से उन्हें 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट कर दिया। भारतीय टीम के पावरप्ले के 6 ओवर में 40 रन पर 3 विकेट गिर गए थे, लेकिन संजू और रियान ने फिर टीम को संभाला। इन दोनों ने मिलकर 65 रन की साझेदारी की, जिसमें संजू ने 40 और रियान ने 22 रन बनाए। उन्होंने जिम्बाब्वे के बॉलर्स को कोई अवसर नहीं दिया और भारत ने जिम्बाब्वे को 168 रन का लक्ष्य दिया, जिसे मुकेश और दुबे की शानदार गेंदबाजी से 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट किया।

सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज करूआना रहे शीर्ष पर

जागरेब , क्रोसिया, एजेंसी। सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के तीनों दिन के खेल के बाद यूएसए के विश्व नंबर 3, फबियानों करूआना, ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए कुल 15 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले रोमानिया क्लासिक का खिताब अपने नाम करने वाले करूआना इस समय जोरदार लय में नजर आ रहे हैं। तीसरे दिन करूआना ने अपने तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए किसी को कोई मौका नहीं दिया और रैपिड में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने दिन की शुरुआत भारत के डी गुकेश को मात देकर की और उसके बाद नीदरलैंड के अनीश गिरि और फ्रांस के मकसीम लागरेव को पराजित किया।

अब देखना यह होगा कि क्या ब्लिट्ज शतरंज में भी वह अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हुए एक और खिताब अपने नाम करेंगे। भारत के डी गुकेश ने रैपिड में 9 अंक बनाकर सातवां और विदित ने 4 अंक बनाकर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, फबियानों करूआना अब ब्लिट्ज शतरंज में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह एक और खिताब अपने नाम करेंगे।

आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में भारत दोनों वर्गों में चैंपियन, बांग्लादेश दोनों वर्ग में उपविजेता रही

जयपुर, एजेंसी। मेजबान भारत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में रविवार को संपन्न आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग का ख़िताब अपने नाम किया। यूथ वर्ग के खिताबी मुक़ाबले में भारत ने बांग्लादेश को 56-36 से हराया।

झमध्यांतर तक भारत ने 31-14 से बढ़त बना रखी थी। मालदीव को हरा नेपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग के फाइनल ने भारत ने बांग्लादेश को 55-25 से हराया। हाफ टाइम तक भारत 31-16 से आगे था। नेपाल को हराकर मालदीव तीसरे स्थान पर रहा। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र राठौड़ थे। समारोह की अध्यक्षता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे, पीएचएल के ओनर अभिनव बांठिया, विज्ञान लोढ़ा, आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी व टेबिल्टन इंडिया के निदेशक डॉ. सौरभ जैन थे। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग में चार देशों मेजबान भारत, नेपाल, मालदीव व बांग्लादेश की टीमों ने भाग लिया। जबकि निर्णायक कतर व कुवैत से आये थे। जबकि आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी आये। सभी देशों के खिलाड़ी व ऑफिशियल्स ने इस पाँच दिवसीय टूर्नामेंट आयोजन की बहुत बहुत प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यह जयपुर में चौथी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी।

इससे पहले 1996 में पहली दक्षिण एशियाई हैंडबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला), 2011 में आईएचएफ़ इंटर कांटीनेंटल ट्रॉफी व 2019 में एशियन यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें दस देशों की टीमों ने भाग लिया था।

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

कमिंस और स्टार्क बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस कार्यभार प्रबंधन के तहत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के आगामी इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे जबकि मिचेल स्टार्क टी20 श्रृंखला नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया को सितंबर में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ पांच वनडे मैच खेलने हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि यह पहले से तय था कि अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के मद्देनजर कार्यभार प्रबंधन के तहत कमिंस नहीं खेलेंगे। मिचेल मार्श टीम के कप्तान होंगे। युवा बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगर्क को वनडे और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया 50 ओवरों के प्रारूप में विश्व कप चैम्पियन है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब भी जीता है लेकिन टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा।

टी20 टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जैक फ्रेसर मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

वनडे टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबोट, एलेक्स कारी, नाथन एलिस, जैक फ्रेसर मैकगर्क, आरोन हार्डी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा।

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती के साथ फोटो शेयर कर कहा-मुझे बस यही चाहिए था

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास उनकी गोद में है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिन में दुनिया भर में 42 से ज्यादा घंटों की यात्रा के बाद, मुझे बस यही चाहिए था।

ऐश्वर्या की खूबसूरती की दीवानी हुई किम कार्दशियन, एक्ट्रेस संग ली सेल्फी

हॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेसेस किम और क्लो कार्दशियन इन दिनों इंडिया आई हुई हैं। दरअसल, कार्दशियन सिस्टर्स बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे की शादी अटैंड करने के लिए यहां आई हैं, जहां दोनों देसी लुक में हर फंक्शन को जमकर एंजॉय करती नजर आ रही है। बीती रात क्लो और किम ने अनंत-राधिका की आशीर्वाद सेरेमनी अटैंड की, जहां उनकी मुलाकात एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय से हुई। अब किम ने बॉलीवुड हसीना संग अपनी तस्वीर सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। किम कार्दशियन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर मिस यूनिवर्स रह चुकीं एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय संग एक सेल्फी शेयर की, जिसे उन्होंने अंबानी के फंक्शन में क्लिक किया था। तस्वीर में

हॉलीवुड और बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इस फोटो को शेयर कर किम ने लिखा- क्वीन, ऐश्वर्या राय। तस्वीर में किम कार्दशियन ऐश्वर्या राय की खूबसूरती की जमकर तारीफ करती नजर आ रही हैं। बता दें, लॉस एंज्लिस से इंडिया आई किम और क्लो ने अनंत-राधिका की शादी और आशीर्वाद सेरेमनी में लहंगा पहना था और उसके साथ मैचिंग नेकलेस पहने नजर आई थीं।

शांतादेवी कमल भंडारी स्मृति इंदौर जिला सीनियर बैडमिंटन 26 जुलाई से

इंदौर। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन द्वारा आयोजित शांतादेवी कमल भंडारी स्मृति इंदौर जिला सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा 26 से 28 जुलाई तक नेहरू स्टेडियम बैडमिंटन हाल में होगी, इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर पी सिंह नैयर ने बताया कि स्पर्धा में पुरुष और महिला एकल और युगल एवं मिश्रित युगल के मुकाबले होंगे, इस आधार पर इंदौर जिला सीनियर बैडमिंटन टीम का भी चयन होगा जो अगले माह कटनी में होने वाली मप्र राज्य अंतर जिला और खुली सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, स्पर्धा के लिए प्रविष्टियां 24 जुलाई तक इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सह सचिव धर्मेश यशलहा, कोषाध्यक्ष विशाल चांदवानी, शालिनी परदेशी, मनीष त्रिवेदी को दी जा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अगस्त से 25 रूटों पर दौड़ेंगी मोहल्ला बसें, डीएमआरसी ने दिया 152 रूट का सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मोहल्ला बसों के परिचालन की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके तहत अगस्त में 25 रूट पर ये बसें चलने लगेंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने मेट्रो स्टेशन से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 152 रूट प्रस्तावित किए हैं। ये रूट मेट्रो स्टेशन के आस-पास 10-12 किलोमीटर के दायरे में हैं।

दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने बताया कि लास्ट माइल कनेक्टिविटी हमारी पहली प्राथमिकता है। सरकार के साथ मिलकर हम इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो की फीडर बसें वर्तमान में दिल्ली सरकार चला रही है। दिल्ली में दो हजार से अधिक मोहल्ला बसें भी चलाने की तैयारी है, इसलिए हमने मेट्रो के साथ बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 152 रूट का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि पहली बार हमने इन 152 रूट के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये 25 रूट भी तैयार किए हैं। ये सभी रूट उत्तर-पश्चिमी दिल्ली इलाके में हैं। एआई का इस्तेमाल पायलट योजना के तहत है। यह सफल रहा तो हम भविष्य में भी एआई की मदद से कार्य करेंगे। मेट्रो ने बताया कि मोहल्ला बसों के रूट तय करने के लिए दिल्ली को चार क्लस्टर में बांटा गया है। इसमें पूर्वी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और बाहरी दिल्ली के इलाके शामिल हैं। इनमें जिन इलाकों को शामिल किया गया है, इसमें कश्मीरी गेट, शास्त्री पार्क, ईस्ट विनोद नगर, मयूर विहार फेज-2, दिलशाद गार्डन, जीटीबी नगर, गोकलपुरी, लक्ष्मी नगर, आनंद विहार और विश्वविद्याल मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। नॉर्थ क्लस्टर में विश्वविद्यालय, मॉडल टाउन समेत अन्य इलाकें शामिल है।

दिल्ली में फिर मौसम मेहरबान, कई इलाकों में झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक बार फिर भारी बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हो रही है जबकि कई अन्य इलाकों बारिश के आसार बने हुए है। दरअसल आज सुबह से ही घने बादल छाए हुए थे जिसके बाद बारिश शुरू हो गई। इससे लोगों को एक बार फिर उमस से राहत मिली है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में हल्की से मध्यक्ष बारिश तो हो रही है लेकिन इसके बावजूद लोगों को उमसभरी गर्मी भी झेलनी पड़ रही है।

इस बीच आज हो रही बारिश से मौसम एक बार फिर सुहाना हो गया है। फिलहाल दिल्ली के जलपथ, पंडित मार्ग, जोधपुर हाउस समेत कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज पूरे दिन बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है और आसमान में बादल भी छाए रह सकते हैं। इस दौरान न्यूनतम तापमान 28 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। इस बीत भारी बारिश के चलते दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। इससे पहले राष्टीय राजधानी के कई हिस्सों में रविवार को भी बारिश हुई, जिससे लोगों को लंबे समय से चली आ रही उमस से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने शाम के समय हल्की बारिश के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान व्यक्त किया है।न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

डॉक्टरों की 2 घंटे की हड़ताल से हरियाणा के अस्पतालों में हाहाकार

गुरुग्राम से फरीदाबाद बेहाल दिखे मरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज के आह्वान पर सोमवार को गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत प्रदेश के सभी जिलों में सरकारी डॉक्टर सुबह 9 से 11 बजे तक दो घंटे की हड़ताल पर रहे। डॉक्टरों के हड़ताल पर रहने के दौरान सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों को इलाज नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सप्ताह का पहला दिन होने के चलते अस्पतालों की ओपी लंबी-लंबी लाइनें देखी गईं।

सबसे ज्यादा मरीजों को दिक्कतें नागरिक अस्पताल गुरुग्राम सेक्टर-10 में हुई। यहां पर इलाज कराने आए मरीज कई घंटों तक ओपीडी के बाहर डॉक्टर के इंतजार में खड़े रहे, लेकिन डॉक्टरों के हड़ताल पर चले जाने के कारण उनको इलाज नहीं मिला। इसके अलावा नागरिक अस्पताल पटौदी, सोहना और फर्रुखनगर में भी स्वास्थ्य सुविधाएं ठप रहीं।

परेशान होकर बिना इलाज करवाए ही घर लौट गए

इसके चलते मरीज परेशान होकर बिना इलाज करवाए ही घर लौट गए। हालांकि, अस्पताल प्रशासन द्वारा नागरिक अस्पताल की ओपीडी में इटर्न डॉक्टरों को बैठाया हुआ था। वह मरीजों को आगे की तारीख दे रहे थे या फिर मंगलवार को दोबारा से ओपीडी में आने की सलाह देते दिखे। वहीं, इलाज नहीं मिलने से कई मरीज काफी नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि इलाज के लिए वह सोमवार को आए हैं, लेकिन हड़ताल के कारण इलाज नहीं हो रहा है। सरकार और डॉक्टरों को मरीजों की दिक्कतों के बारे में भी सोचना चाहिए।

बता दें कि, हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन कई सालों से अपनी मांगों को लेकर सरकार के साथ बातचीत का प्रयास कर रही है, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगें नहीं मानी गई हैं। ऐसे में सोमवार को दो घंटे की हड़ताल की गई है। एसोसिएशन ने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों का संज्ञान नहीं लेती है तो वह 25 जुलाई को हरियाणा में पूरी तरह से स्वास्थ्य सुविधाओं को बंद कर दिया जाएगा। एसोसिएशन की मुख्य मांग डॉक्टर सीधे एसएमओ की भर्ती, एसीपी नहीं मिलने, डॉक्टर की कमी और पीजी कोर्स के लिए भरे जाने वाले एक करोड़ के बांड का विरोध कर रहे हैं।

2 घंटे की हड़ताल से मरीज हुए परेशान

फरीदाबाद के बीके अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों ने 2 घंटे की हड़ताल रखी, जिससे इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सप्ताह का पहला दिन होने के चलते बीके अस्पताल में उपचार करने वालों की संख्या अधिक थी। वैसे ही ओपीडी कार्ड बनवाने वालों की रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लाइन लगी हुई थी। हड़ताल के दौरान डॉक्टरों ने ओपीडी प्रवेश द्वार के पास इकट्ठा होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज के संयुक्त सचिव डॉ. मानसिंह ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो 25 जुलाई से डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

मरीज पर गोलीबारी के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जीटीबी अस्पताल के डॉक्टर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। आलम यह है कि बदमाश अब भीड़भाड़ वाले अस्पताल के भीतर घुसकर गोलियां बरसाने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। दिल्ली के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में रविवार को एक ऐसी ही वारदात सामने आई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जीटीबी अस्पताल की चौथी मंजिल के वार्ड में भर्ती एक मरीज की रविवार गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। मारे गए मरीज की शिनाख्त 32 वर्षीय रियाजुद्दीन के रूप में हुई है। अब ताजा अपडेट यह है कि अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के बयान में कहा गया है कि डॉक्टरों को पर्याप्त सुरक्षा दिए जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग को दिल्ली सरकार की ओर से अनसुना किए जाने के बाद डॉक्टरों को हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ाए जाने की अपीलों को नजरअंदाज किया गया, नतीजतन यह वारदात हुई। दिल्ली सरकार जब तक अस्पताल में सुरक्षित माहौल सुनिश्चित नहीं करती, डॉक्टर अपना काम जारी नहीं रख सकते हैं। हालांकि हड़ताल के दौरान इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पीड़ित रियाजुद्दीन को 23 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके पेट के संक्रमण का इलाज किया जा रहा था। अस्पताल के वार्ड नंबर 24 में शाम को करीब 4 बजे 18 साल के एक युवक ने घटना को अंजाम दिया। गोली लगने से घायल हुए रियाजुद्दीन की बाद में मौत हो गई। हमलावर को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। वहीं अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों ने वार्ड में घुसकर डॉक्टर को धक्का दिया, मरीज को गोली मारकर भाग गए। जीटीबी अस्पताल के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि गोलीबारी में कोई अन्य घायल नहीं हुआ है। ड्यूटी पर तैनात सीएमओ की सूचना पर जीटीबी एन्क्लेव के थाना प्रभारी, सहायक पुलिस आयुक्त और अपराध शाखा के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

किसी दिन कोमा में जा सकते हैं केजरीवाल, जान भी जा सकती है: संजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) लगातार चिंता जाहिर कर रही है। तिहाड़ जेल के मेडिकल रिपोर्ट में केजरीवाल के स्वास्थ्य पर दी गई सफाई के बाद आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने फिर आशंका जताई है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री कोमा में जा सकते हैं या उनकी जान को खतरा हो सकता है। संजय सिंह ने फिर दावा किया कि केजरीवाल का वजन 8.5 कम हुआ है।

तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से जारी मेडिकल रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय सिंह ने कहा कि इस तरह जेल प्रशासन की ओर से इसे लीक करना अपराध है और इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। संजय सिंह ने कहा, कई बार उनका शुगर लेवल 50 के नीचे गया है। यह एम्स के डॉक्टरों के हवाले से रिपोर्ट जारी की गई है। एम्स मोदी सरकार के अंडर में है, उसकी रिपोर्ट है कि केजरीवाल का वजन कम हो रहा है और पांच बार उनका शुगर लेवल रात में नीचे गया है। 50 से नीचे यदि शुगर लेवल नीचे चला गया तो कोई भी व्यक्ति कोमा में

जा सकता है। उसकी जिंदगी जा सकती है। उसके साथ कोई गंभीर घटना हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, जेल बंद होती है शाम के बाद उसके बाद आप घंटी बजाते रहिए, 15 मिनट, 20 मिनट, आधे घंटे, एक घंटे कितनी देर में आपको ले जाया जाएगा, पता नहीं। इस बीच तो कोई भी घटना हो सकती है आपके साथ। केजरीवाल के की जिंदगी के साथ भाजपा खिलवाड़ कर रही है। केजरीवाल के साथ ऐसी परिस्थिति भी आ सकती है कि किसी दिन उनके साथ अनहोनी हो जाए, कोमा में जा सकते हैं। संजय सिंह ने फिर दोहराया कि केजरीवाल का वजन 8.5 किलो कम हुआ है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को जिस दिन गिरफ्तार किया गया था तब उनका वजन 70 किलो था जो अब 61.5 किलो रह गया है।

तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि केजरीवाल का वजन 8.5 किलो नहीं बल्कि वास्तव में 3 ही किलोग्राम कम हुआ है। जेल प्रशासन ने आम आदमी पार्टी के दावों और आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि जेल में केजरीवाल की सेहत का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। 2 जून को जेल में सरेंडर करने के बाद उनका वजन 2 किलोग्राम ही कम हुआ है। यह भी कहा गया है कि केजरीवाल जेल में कम खाना खा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री लगातार आरोप लगा रहे हैं के जेल में केजरीवाल का वजन और शुगर लेवल तेजी से कम हो रहा है और इसकी वजह से उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, लेकिन सीबीआई केस में भी गिरफ्तारी की वजह से वह बाहर नहीं निकल पाए हैं।

नोएडा में सिपाहियों का तांडव, शराब पीने के बाद कर दी फायरिंग, पुलिस ने लिया ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-38 ए स्थित गार्डन गैलरिया मॉल में गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में तैनात दो सिपाहियों ने पार्टी के बाद पार्किंग में सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इस मामले में कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को थाने से जमानत दे दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, इस मामले में शामिल दोनों आरोपी सिपाहियों को जमानत दे दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, सेक्टर-38 स्थित गार्डन गैलरिया मॉल में शनिवार रात को बार में एक पार्टी थी। इस पार्टी में गाजियाबाद कमिश्नरेट के इंदिरापुरम थाने में तैनात इस कॉन्स्टेबल धीरज और मुकुल भी आए थे। दोनों के पास सर्विस रिवॉल्वर थी। शराब पीने के बाद मॉल परिसर में कार के पास मुकुल सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। इस घटना के बाद दोनों सिपाही मौके से फरार हो गए। उनकी फरारी के बाद जब जांच की गई तो हकीकत सामने आ गई। हकीकत सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों सिपाहियों पर ऐक्शन लिया है। इस फायरिंग की घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और शोर शराबा हो गया। इसके बाद मौके से दोनों सिपाही फरार हो गए। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। इसमें दोनों सिपाहियों के नाम सामने आए और सीसीटीवी फुटेज में भी कई चीजें सामने निकली। इसके बाद दोनों सिपाहियों के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-39 में मुकदमा दर्ज किया गया और दोनों सिपहिया धीरज कुमार और मुकुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

यूएस की चेतावनी के बावजूद साथ आए चीन और रूस

नाटो मीटिंग के बाद सैन्य अभ्यास की शुरुआत; ये है दोनों की रणनीति

बीजिंग एजेंसी। नाटो की मीटिंग के बाद अब रूस ने चीन के साथ सैन्य अभ्यास करने का फैसला लिया है। रूस चीन के दक्षिणी तट के करीब जिनपिंग की नौसेना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहा है। नाटो सहयोगियों की तरफ से बीजिंग को यूक्रेन में युद्ध का समर्थक कहे जाने के कुछ दिनों बाद, चीन और रूस की नौसेना बलों ने रविवार को दक्षिणी चीन में सैन्य बंदरगाह पर एक संयुक्त अभ्यास शुरू किया।

नाटो मीटिंग में अमेरिका ने रूस के चीन के साथ आने के फैसले की आलोचना की थी। अमेरिका ने कहा था, अगर रूस -चीन के साथ संबंध बढ़ाता है तो उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। चीनी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि दोनों पक्षों की सेनाओं ने हाल ही में पश्चिमी और उत्तरी प्रशांत महासागर में गश्त की है और इस ऑपरेशन का अंतरराष्टीय और क्षेत्रीय स्थितियों से कोई लेना-देना नहीं है और किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाया गया है।

सुरक्षा खतरों को संबोधित करेगा अभ्यास: जानकारी के लिए बता दें कि ये अभ्यास जुलाई के मध्य तक चलने की उम्मीद है, इसका उद्देश्य सुरक्षा खतरों को संबोधित करने और वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर शांति और स्थिरता बनाए रखने में नौसेना की क्षमताओं का प्रदर्शन करना है। इसमें मिसाइल रोधी अभ्यास, समुद्री हमले और वायु रक्षा शामिल हैं। चीनी और रूसी नौसैनिक बलों ने झानजियांग शहर में उद्घाटन समारोह के बाद ऑन-मैप सैन्य सिमुलेशन और सामरिक समन्वय अभ्यास किया।

चीन के ताजा तनाव के बाद हुआ अभ्यास: यह संयुक्त अभ्यास पिछले सप्ताह नाटो सहयोगियों के साथ चीन के ताज़ा तनाव के बाद हुआ। यह ऐलान तब हुआ जब नाटो नेताओं ने अमेरिका में मीटिंग की ताकि वह यूक्रेन के पक्ष में समर्थन जुटा सकें। यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी सदस्य और इंडो-पैसिफिक में उनके साझेदार रूस और उसके एशियाई समर्थकों, विशेषकर चीन से साझा सुरक्षा चिंताओं को तेजी से देख रहे हैं। बता दें कि अब रूस के बाद चीन नाटो की आलोचना का मुख्य बिंदु बनता जा रहा है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने देश में धार्मिक स्वतंत्रता संकट को स्वीकारा, विदेश मंत्रालय ने इन दावों को सिरे से नकारा

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इस दावे को खारिज कर दिया कि वहां धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। वहीं, रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि धार्मिक अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। क्या पाकिस्तान में धार्मिक स्वतंत्रता की गंभीर समस्या है हाँ, यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने हाल ही में धार्मिक स्वतंत्रता पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, जिसमें पाकिस्तान को दुनिया में सबसे खराब धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनकर्ताओं की काली सूची में शामिल करने का सुझाव दिया गया। रिपोर्ट की पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत आलोचना की, जिसने दावा किया कि दस्तावेज़ में पारदर्शिता का अभाव है, स्थिति को सुधारने के लिए सरकार के प्रयासों की अनदेखी की गई है, और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने में सहायता नहीं की गई है।

या यूं कहें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने कहा। कुछ दिनों बाद, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसके विपरीत राय व्यक्त की। नेशनल असेंबली में एक भाषण में ईशनिंदा के आरोपी पाकिस्तानी नागरिकों की भीड़ द्वारा हत्या किए जाने के मामलों का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि हर दिन अल्पसंख्यकों की हत्या की जा रही है। वे इस्लाम की आड़ में सुरक्षित नहीं हैं... पाकिस्तान वैश्विक शर्मिंदगी का सामना कर रहा है। मंत्री ने कहा, यहां तक कि पाकिस्तान में छोटे मुस्लिम संप्रदाय भी सुरक्षित नहीं हैं, जो एक शर्मनाक स्थिति है। उन्होंने शायद अहमदियों के बजाय शियाओं का जिक्र किया, क्योंकि पाकिस्तानी कानून के अनुसार अहमदियों को गैर-मुस्लिम माना जाता है। आसिफ ने यह भी कहा कि लिंचिंग के मामलों में, अब तक मारे गए लोगों के पास ईशनिंदा से जुड़े कोई सबूत नहीं थे; बल्कि, ये हत्याएं व्यक्तिगत प्रतिशोध से उपजी लगती हैं। शायद रक्षा मंत्री को विदेश कार्यालय में अपने सहयोगी को यह सब समझाना चाहिए।

उत्तर कोरिया ने द. कोरिया का टीवी शो देखने पर 30 स्कूली छात्रों की हत्या की, रिपोर्ट में दावा

सिओल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर तीस नाबालिग छात्रों की सामूहिक रूप से हत्या कर दी, क्योंकि उन्होंने दक्षिण कोरिया का टीवी शो देखा था। दक्षिण कोरिया के दैनिक समाचार पत्र जोंगआंग डेली ने अपनी खबर में यह जानकारी दी।

स्थानीय केबल टीवी चैनल चोसुन ने दक्षिण कोरिया सरकार के एक अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने पिछले हफ्ते माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को सार्वजनिक रूप से गोली मारी। छात्रों ने कथित तौर पर यूएसबी पर संग्रहित दक्षिण कोरियाई नाटक देखे थे। इन यूएसबी को कथित तौर पर पिछले महीने सिओल से गुब्बारों के जरिए उत्तर कोरिया भेजा गया था।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने

रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर गुरुवार को पत्रकारों से कहा, यह सर्वविदिति है कि उत्तर कोरियाई अधिकारी प्रतिक्रियावादी विचारधारा और संस्कृति अस्वीकृति अधिनियम सहित तीन कानूनों के आधार पर लोगों को सख्ती से नियंत्रित करते हैं और उन्हें कठोर दंड देते हैं।

अधिकारी ने कहा, मंत्रालय की ओर से प्रकाशित 2024 की उत्तर कोरियाई मानवााधिकार रिपोर्ट में दक्षिण कोरियाई नाटक देखने के लिए मृत्युदंड के मामलों को भी दर्ज किया गया है।

उत्तर कोरिया का प्रतिक्रियावादी विचारधारा और संस्कृति अस्वीकृति अधिनियम दिसंबर 2020 में अधिनियमित किया गया था। यह कानून दक्षिण कोरिया की मीडिया सामग्री को वितरित करने वालों के लिए मौत की सजा और दर्शकों के लिए 15 साल तक की जेल का प्रावधान करता है। इसके अलावा, यह कानून दक्षिण कोरिया की किताबों, गीतों और तस्वीरों को भी निशाना बनाता है। इस कानून के तहत दक्षिण कोरिया के भाषण या उनकी गायन शैलियों का इस्तेमाल करने के लिए दो साल तक के जबरन श्रम का भी प्रावधान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने अपनी सीमा के भीतर दक्षिण कोरिया की संस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए उत्तर कोरिया के अधिकारियों ने करीब 17 साल की उम्र के करीब 30 नाबालिगों को आजीवन कारावास और मौत की सजा सुनाई। इस साल की शुरुआत में दक्षिण कोरियाई नाटक देखने के लिए एक 16 वर्षीय लड़के को 12 साल की जबरन मजदूरी की सजा सुनाई गई थी।

जापान, कोरियन और अमेरिकन ड्रामा पर बैन: उत्तर कोरिया में जापान, कोरियन और अमेरिकन ड्रामा पर बैन है। वहां केवल रूस का सिनेमा या फिर जिसे सरकार सही मानती है, वही दिखाया जाता है। नॉर्थ कोरिया के दिसंबर 2020 में लागू हुए रिएक्शनरी आइडियोलॉजी एंड कल्चर रिजेक्शन एक्ट के तहत साउथ कोरियन मीडिया को लोगों तक पहुंचाने वाले को मौत की सजा और देखने वालों के लिए 15 साल तक जेल की सजा का प्रावधान है।

इस कानून के तहत किताबें, गीत और तस्वीरें भी शामिल हैं। इसमें एक नियम के तहत साउथ कोरिया की भाषा और गाना गाने के तरीके का इस्तेमाल करने पर दो साल तक जबरन मजदूरी कराई जा सकती है। पिछले महीने भी 17 साल के करीब 30 नाबालिगों को आजीवन कारावास और मौत की सजा सुनाई गई थी। ब्रब्रष्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी में दो नाबालिगों के पास कोरियन वीडियो मिली थी, जिसके बाद उन्हें 12 साल की कठोर मजदूरी की सजा सुनाई गई थी।

70 कोरियन गाने मिलने पर लड़के की पीट-पीटकर हत्या: इस साल 22 साल एक लड़के पास से 70 से ज्यादा कोरियन गाने मिले थे, जिसके बाद उसे मौत की सजा मिली थी। लेकिन वह भाग गया। इसके अगले ही दिन उसके घर से उसकी लाश मिली, जो देखने में ऐसी लगी रही थी कि उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।